प्रयागराज

RNI NO.UPHIN/2008/24775

वर्ष-18 अंक-257

पृष्ठ-8 मूल्य 1.00 रुपये मात्र

बुधवार, 21 जनवरी, 2026

कशिश मीडिया

Email.kashishmedianews@gmail.com visit us - www.kashishmedia.in

हिन्दी दैनिक

नितिन नबीन आज से मेरे बॉस पीएम मोदी बोले - हमारे यहां अध्यक्ष बदलते हैं, लेकिन आदर्श नहीं

नई दिल्ली।प्रधानमंत्री मोदी ने देश भर में कई महीनों से चल रही व्यापक आंतरिक चुनाव प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाजपा के संविधान का कड़ाई से पालन करते हुए जमीनी स्तर से लेकर शीर्ष संगठनात्मक पद तक के नेताओं का चुनाव किया जाता है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भाजपा मुख्यालय में नितिन नबीन की नई राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति के समारोह के दौरान भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों के इस महत्वपूर्ण अवसर पर एकत्रित होने से वातावरण उत्साह से भरा हुआ था। भाजपा के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नबीन को बधाई देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मैं नितिन नबीन को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी का अध्यक्ष बनने पर बधाई देता हूं। जब पार्टी की बात आती है, तो नितिन नबीन मेरे बॉस हैं और मैं एक पार्टी कार्यकर्ता हूं। उनके इस कथन पर उपस्थित लोगों ने जोरदार तालियां बजाईं।

प्रधानमंत्री मोदी ने देश भर में कई महीनों से चल रही व्यापक आंतरिक चुनाव प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाजपा के संविधान का कड़ाई से पालन करते हुए जमीनी स्तर से लेकर शीर्ष संगठनात्मक पद तक के नेताओं का चुनाव किया जाता है। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया अब औपचारिक रूप से पूरी हो चुकी है और यह पार्टी के मजबूत लोकतांत्रिक मूल्यों, अनुशासन और कार्यकर्ता-प्रथम दर्शन का प्रमाण है। उन्होंने इस प्रक्रिया में शामिल लाखों पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह भव्य संगठनात्मक चुनाव प्रक्रिया भारतीय जनता पार्टी के लोकतांत्रिक विश्वास, संगठनात्मक अनुशासन और कार्यकर्ता-केंद्रित दृष्टिकोण का प्रतीक है।प्रधानमंत्री मोदी ने आगे इस बात पर जोर दिया कि भारतीय जनता पार्टी का नेतृत्व मॉडल उसकी विरासत और जनसेवा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता से मजबूत होता है। उन्होंने कहा इस प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए मैं देश भर के सभी पार्टी कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई देता हूं... हमारा नेतृत्व परंपरा से प्रेरित है, अनुभव से समृद्ध है और जनसेवा एवं राष्ट्रीय सेवा की भावना से संगठन को आगे बढ़ाता है।

बागी हो रहे बिहार कांग्रेस के विधायकों को मनाएंगे राहुल गांधी, 23 जनवरी को होगी बैठक

पटना।कांग्रेस के बिहार के सभी 6 विधायकों को दिल्ली से बुलावा आया है। बिहार के कांग्रेस के सभी छह विधायकों के पार्टी छोड़ने की अटकलों के बीच यह बुलावा बहुत अहम है। वहां इंदिरा भवन में राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की मौजूदगी में 23 जनवरी को एक अहम बैठक होगी। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य बिहार में संगठन को मजबूत करने की रणनीति बनाना और विधायक दल के नेता का चुनाव करना है।

गौरतलब है कि पिछले करीब एक माह से बिहार के कांग्रेस विधायकों के पाला बदलने की संभावनाएं जताई जा रही है। सत्ता पक्ष के कई नेताओं ने दावा किया है कि कांग्रेस के सभी छह विधायक पार्टी छोड़ देंगे। यह भी दावा किया जा रहा है कि कांग्रेस के विधायक जेडीयू में शामिल हो सकते हैं। इन अटकलों को और हवा तब मिली जब मकर संक्रांति पर्व पर कांग्रेस के दही-चूड़ा भोज में पार्टी का एक भी विधायक नहीं पहुंचा। अब माना जा रहा है कि दिल्ली में राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष खरगे इन विधायकों से बातचीत करके इन्हें पार्टी छोड़ने से रोकने की कोशिश कर सकते हैं।

बिहार कांग्रेस ने सोमवार को अपने विधायकों के साथ एक बैठक की। इस बैठक में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी कृष्णा अल्लावारू और प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने पार्टी के विभिन्न प्रकोष्ठों, विभागों के चेयरमैनों और विधायकों से मिलकर आगे की रणनीति पर चर्चा की। संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ मनरेगा कानून को जिलों में मजबूती से लागू कराने की जिम्मेदारी भी तय की गई।इस बीच, कांग्रेस ने बिहार में नीट छात्रा के साथ हुए रेप और हत्या के मामले में सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी महिला कार्यकर्ता गृहमंत्री के लिए चूड़ियां लेकर पहुंचीं। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पुतला भी फूंका। इस प्रदर्शन में बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम और प्रभारी कृष्णा अल्लावरू भी शामिल हुए। कृष्णा अल्लावरू ने कहा, 'पुलिस ने मामले को दबाने की पूरी कोशिश की। जनता के दबाव के कारण एफआईआर लिखी गई। एसआईटी बनी है, लेकिन जांच ठीक से होनी चाहिए।'

दिल्ली में होने वाली बैठक बिहार में कांग्रेस की भविष्य की रणनीति तय करने में महत्वपूर्ण साबित होगी। विधायक दल के नेता के चुनाव से पार्टी को एक नई दिशा मिलने की उम्मीद है। संगठन को मजबूत करने के लिए जमीनी स्तर पर काम करने की योजना बनाई जा रही है। मनरेगा कानून को प्रभावी ढंग से लागू करने पर भी जोर दिया जा रहा है, ताकि आम लोगों को इसका लाभ मिल सके।

पीएम मोदी के 'बॉस' वाले बयान पर कांग्रेस का पलटवार, कहा- बीजेपी में 'बिग बॉस' का खेल चल रहा है

नई दिल्ली।कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने नितिन नवीन के नए भाजपा अध्यक्ष बनने पर प्रधानमंत्री मोदी पर तंज कसा है, जिन्होंने नवीन को अपना 'बॉस' बताया था। खेड़ा ने इस घटनाक्रम को 'बिग बॉस का खेल' करार देते हुए भाजपा की आंतरिक चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल उठाए।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस बयान पर कि नितिन नबीन अब पार्टी मामलों में उनके 'बॉस' हैं को लेकर कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने तंज कसा है। पवन खेड़ा ने कहा कि भाजपा और आरएसएस आपस में खेल खेलते रह सकते हैं। कभी (आरएसएस प्रमुख) मोहन भगवत किसी के बॉस बनते हैं, कभी मोदी किसी के बॉस बनते हैं। उन्होंने लोकप्रिय रियलिटी शो 'बिग बॉस' का जिक्र करते हुए आगे कहा, 'क्या यहां बिग बॉस का खेल खेला जा रहा है?'दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में खेड़ा से इस घटनाक्रम के बारे में पूछा गया, जहां उन्होंने कहा, 'चुनाव कहां है? इसे चुनाव क्यों कहते हैं? पहले राष्ट्रपति की घोषणा करते हैं, फिर कहते हैं कि चुनाव होगा, और फिर कोई चुनाव होता ही नहीं।' पार्टी

के मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने कटाक्ष करते हुए यह भी कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार अब इस्तीफा देना चाहते हैं क्योंकि भाजपा अध्यक्ष के चुनाव में उनकी कोई भूमिका नहीं रही और चुनाव को "प्रभावित करने का" का मौका भी नहीं मिला। नितिन नवीन को मंगलवार को औपचारिक रूप से भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित कर दिया गया। उन्होंने जेपी नड्डा का स्थान लिया है।

अटल-आडवाणी से नड्डा-नबीन तक...45 सालों में किस-किस ने थामी कमल की कमान,अब 45 साल के युवा को सम्मान

नई दिल्ली।भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में नितिन नबीन को अपना नया राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अन्य वरिष्ठ नेता इस अवसर पर उपस्थित थे। 45 वर्षीय नबीन निर्विरोध चुने गए और पार्टी के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष बने, जिससे वे इस पद पर आसीन होने वाले सबसे युवा अध्यक्ष बन गए हैं। इससे पहले 15 दिसंबर को उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला था। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया 36 में से 30 राज्य अध्यक्षों के चुनाव के बाद शुरू हुई, जो आवश्यक 50 प्रतिशत की सीमा को पार कर गया। चुनाव कार्यक्रम और मतदाता सूची की घोषणा 16 जनवरी, 2026 को की गई।

पीएम मोदी ने नितिन नबीन के परिवार से भी की मुलाकात

नई दिल्ली ।नितिन नबीन ने औपचारिक रूप से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण कर लिया है, इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके परिवार से मुलाकात की। बिहार से पांच बार के विधायक और पूर्व मंत्री नबीन ने शीर्ष नेतृत्व की उपस्थिति में पार्टी की राष्ट्रवादी विचारधारा को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में भाजपा मुख्यालय में नव निर्वाचित भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन के परिवार से मुलाकात की और उनसे बातचीत की। नितिन नबीन ने पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर पीएम मोदी ने नितिन नबीन के साथ मिठाई भी बांटी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और जेपी नड्डा भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

बीजेपी के नए 'कप्तान' नितिन नबीन की सुरक्षा टाइट! पद संभालने से पहले मिली Z कैटेगरी की सिक्योरिटी, CRPF के घेरे में रहेंगे अध्यक्ष

नई दिल्ली।भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को केंद्र सरकार ने शीर्ष स्तर की Z-कैटेगरी (Z-Category) वीआईपी सुरक्षा कवर प्रदान किया है। मंगलवार को आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि नबीन की सुरक्षा का जिम्मा अब केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की विशेष वीआईपी सुरक्षा विंग के पास होगा।भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को केंद्र सरकार ने शीर्ष स्तर की Z-कैटेगरी (Z-Category) वीआईपी सुरक्षा कवर प्रदान किया है। मंगलवार को आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि नबीन की सुरक्षा का जिम्मा अब केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की विशेष वीआईपी सुरक्षा विंग के पास होगा।

नोटिस पर आप नेता आतिशी ने मांगे सभी दस्तावेज, कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता आतिशी ने अपने

खिलाफ जारी विशेषाधिकार हनन के नोटिस के जवाब में कहा है कि उन्होंने कभी भी सिख गुरुओं के खिलाफ कोई अपमानजनक टिप्पणी नहीं की और ना ही सदन में ऐसा कोई संदर्भदिया। दिल्ली विधानसभा सचिव को सोमवार को भेजे गए पत्र में आतिशी ने नोटिस में कही गई बातों को अस्पष्ट और निराधार बताया।उन्होंने नोटिस का जवाब देने के लिए उनके खिलाफ दी गई शिकायत, प्रमाणित अनएडिटेड विडियो रिकॉर्डिंग और सभी दस्तावेज की मांग की है। आतिशी ने कहा कि उन्हें स्पीकर से अपनी स्थिति स्पष्ट करने के लिए बुलावे का कोई संदेश नहीं मिला। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि नोटिस में 'सदन में हंगामा' और 'कार्यवाही बाधित करने' जैसे अस्पष्ट शब्दों का इस्तेमाल किया गया है, लेकिन यह नहीं बताया गया कि उन्होंने क्या कहा, किस संदर्भ में कहा या इसे किस आधार पर गलत माना गया।दिल्ली में बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर आप की वरिष्ठ नेता और दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर तुरंत दखल की मांग की है। सोमवार को आतिशी ने अपने पत्र में कहा कि पिछले कुछ समय, विशेषकर हालिया महीनों में दिल्ली में गंभीर आपराधिक घटनाओं ने आम नागरिको, विशेष रूप से महिलाओं, बुजुर्गों और व्यापारियों के मन में भय और असुरक्षा पैदा कर दी है।

आपको बता दें कि दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने 'गुरुओं' को लेकर टिप्पणी मामले में नेता प्रतिपक्ष आतिशी के वीडियो से जुड़ी फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी की रिपोर्ट को सार्वजनिक कर दिया है। उन्होंने कहा कि वीडियो में किसी प्रकार की छेड़खानी नहीं है। साथ ही उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी से माफी मांगने को कहा है

5 करोड़ रुपये के लिए लॉरेंस के गुर्गे फिर दे रहे धमकी, प्रॉपर्टी डीलर और बेटों को धमकाया

नई दिल्ली। वेस्ट विनोद नगर में रहने वाले प्रॉपर्टी डीलर जितेंद्र कुमार गुप्ता और उनके परिवार को लगातार लॉरेंस बिशनेई गैंग के शूटरों से जान से मारने की धमकी मिल रही है। बदमाश जितेंद्र, उनके दोनों बेटों और उनके भाई सतेंद्र कुमार गुप्ता को जान से मारने की धमकी दे रहे है।लगातार

मिल रही धमकी के बाद पूरा परिवार डरा-सहमा हुआ है। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने एक नाबालिग समेत दो शूटरों को पकड़ा था। उसके बाद लगा था कि मामला शांत हो जाएगा, लेकिन इसके बाद भी लगातार धमकियां दी जा रही हैं। शुक्रवार को बदमाशों ने जितेंद्र को कॉल कर कहा कि तुम कितनी भी सुरक्षा बढ़ा लो। हमें सुरक्षा के बीच गोली मारने की आदत है। अगली बार तुम या तुम्हारा बेटा जहां भी दिखेगा, वहीं गोली मारेंगे।उसके बाद से प्रॉपर्टी डीलर ने अपना ऑफिस भी बंद कर लिया है और खुद को घर के अंदर बंद कर रखा है। बेटों को भी कहीं अनजान जगह पर भेज दिया है। सोमवार सुबह जितेंद्र के भाई सतेंद्र और उनके परिवार को भी गैंगस्टरों से मोबाइल और वॉट्सऐप कॉल पर जान से मारने की धमकी मिली। बदमाश सतेंद्र को कॉल कर जितेंद्र और उनके परिवार के बारे में पूछ रहे हैं।

माघ मेला मौनी अमावस्या विवादः संत आशुतोष ब्रह्मचारी पर हमला, अविमुक्तेश्वरानंद के समर्थकों पर आरोप

प्रयागराज।माघ मेला के तृतीय प्रमुख सनन पर्व मौनी अमावस्या के दिन संगम सनन को निकले शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और पुलिस प्रशासन के बीच हुए विवाद के बाद मामला अब और गंभीर होता नजर आ रहा है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट, मथुरा के अध्यक्ष आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके समर्थकों पर श्रीकृष्ण शोभा यात्रा के दौरान हमला करवाने का गंभीर आरोप लगाया है।

इस संबंध में आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज ने प्रयागराज के झूंसी थाने में लिखित तहरीर देकर अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई की मांग की है।आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज के अनुसार, 18 जनवरी की शाम मौनी अमावस्या के दिन उन्होंने प्रशासनिक अनुमति के साथ लगभग 25 भक्तों के साथ श्रीकृष्ण शोभा यात्रा निकाली थी। शाम करीब 4:30 बजे जब यात्रा सेक्टर नंबर-4 के पास पहुंची, तभी शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का शिविर मार्ग में अवरोध बनकर सामने आ गया। आरोप है कि मार्ग देने की बात कहने पर विवाद बढ़ गया और भेष बदलकर आने जैसे आरोप लगाते हुए उनके समर्थकों

द्वारा हमला कर दिया गया।

उन्होंने आरोप लगाया कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की कथित ललकार के बाद उनके समर्थकों ने शोभा यात्रा में शामिल लोगों पर हमला किया। जब वे अपने साथियों को बचाने आगे आए, तो उन पर भी हमला किया गया। इस हमले में स्वयं आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज, श्रीकृष्ण सेना के प्रदेश महामंत्री अमरेंद्र सिंह और एक सेवादार घायल हो गए। सभी घायलों को मेला क्षेत्र के अस्पताल में उपचार दिया गया।

घटना के समय बड़ी संख्या में श्रद्धालु, महिलाएं और बुजुर्ग मौके पर मौजूद थे, जिससे वहां भय और अफरा-तफरी का माहौल बन गया।आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज ने इस घटना को सुनियोजित साजिश करार देते हुए कहा कि धर्म के नाम पर सार्वजनिक मार्ग रोकना, धार्मिक यात्रा में बाधा डालना और समर्थकों से हमला करवाना सीधा आपराधिक कृत्य है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद स्वयं को शंकराचार्य बताते हैं, तो उन्हें सर्वोच्च न्यायालय या काशी विद्वत परिषद द्वारा जारी वैध प्रमाण-पत्र सार्वजनिक करना चाहिए।

उन्होंने प्रमुख सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार को भी एक प्रार्थना पत्र भेजा है, जिसमें कहा गया है कि भारत में शंकराचार्य की मान्यता केवल चार पीठों तक सीमित है, लेकिन वर्तमान में 50 से अधिक लोग स्वयं को शंकराचार्य बताकर श्रद्धालुओं को भ्रमित कर रहे हैं। आरोप लगाया गया है कि महाकुंभ और माघ मेला जैसे आयोजनों में बिना वैध मान्यता के बड़े शिविर और विशेष सुविधाएं प्राप्त की जा रही हैं।आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज ने यह भी आरोप लगाया कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद द्वारा लगातार विवादित और भ्रामक बयान दिए जा रहे हैं, जिससे श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं। उन्होंने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

मिशन मुस्कान के तहत भगवानपुर पुलिस की सराहनीय पहल, गुम मोबाइल बरामद कर धारक को सौंपा

कैमूर में भभुआ अनुमंडल के भगवानपुर थाना क्षेत्र में थाना अध्यक्ष चंद्रशेखर शर्मा के कुशल एवं प्रभावशाली नेतृत्व में पुलिस द्वारा जनहित में सराहनीय कार्य किया गया। मिशन मुस्कान के अंतर्गत भगवानपुर थाना की टीम ने विगत दिनों ग्राम पंचायत रामगढ़ मुंडेश्वरी निवासी गोवर्धन दुबे उर्फ गिरीश दुबे का गुम हुआ मोबाइल फोन सफलतापूर्वक बरामद किया।प्राप्त जानकारी के अनुसार, गोवर्धन दुबे का मोबाइल फोन कुछ समय पूर्व किसी कारणवश गुम हो गया था, जिससे उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। पीडि.त द्वारा भगवानपुर थाना में इसकी सूचना दी गई, जिसके बाद थाना अध्यक्ष चंद्रशेखर शर्मा के निर्देशन में पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई शुरू की। तकनीकी अनुसंधान एवं सतर्क प्रयासों के माध्यम से मोबाइल फोन का पता लगाया गया और उसे बरामद कर लिया गया।बरामद मोबाइल फोन को विधिवत जांच के उपरांत वास्तविक मोबाइल धारक गोवर्धन दुबे उर्फ गिरीश दुबे को सौंप दिया गया। अपना खोया हुआ मोबाइल वापस पाकर उन्होंने भगवानपुर थाना पुलिस एवं थाना अध्यक्ष चंद्रशेखर शर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया।मिशन मुस्कान के तहत किया गया यह कार्य पुलिस की जनसेवा, संवेदनशीलता और कार्यकुशलता का उत्कृष्ट उदाहरण है।

नीट की तैयारी कर रही एक और छात्रा की संदिग्ध अवस्था में मौत

सांसद पप्पू यादव ने हॉस्टल प्रबंधक और प्रशासन पर लगाए गंभीर आरोप

पटना, नीट की तैयारी कर रही जहानाबाद की छात्रा की मौत के मामले की गुत्थी अभी सुलझी भी नहीं कि एक और मामला तूल पकड़ने लगा है। एक्जीबिशन रोड स्थित परफेक्ट हॉस्टल-पीजी में रहकर नीट की तैयारी करने वाली छात्रा अनामिका भी हॉस्टल के कमरे में मृत पाई गई। उसका शव संदिग्ध हालात में पंखे से लटका हुआ मिला। परिजन का आरोप है कि परफेक्ट गर्ल्स पीजी हॉस्टल के संचालक, वार्डन, हॉस्टल के इंचार्ज तथा उसकी सहेली एवं अज्ञात लोगों के सहयोग की मिली भगत से अनामिका की साजिश के तहत प्रताडि.त कर हत्या कर दी गई। दो संदिग्ध युवकों को भी परिजन अभियुक्त मान रहे हैं।

मौत की खबर पाकर सांसद पप्पू यादव परफेक्ट पीजी गर्ल्स हॉस्टल पहुंच कर हॉस्टल प्रबंधक और प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। गर्ल्स हॉस्टल की सुरक्षा को लेकर उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि इनके लाइसेंस की जांच होनी चाहिए। सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से अवैध हॉस्टलों पर बुलडोजर चलाने और निष्पक्ष जांच की मांग की, साथ ही इन मामलों पर लीपापोती न करने की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि सदन का पहला दिन वह इस मुद्दे को उठाएंगे और हाईकोर्ट भी जाएंगे। स्थानीय थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस हॉस्टल के सीसीटीवी फुटेज खंगालने और वार्डन व अन्य छात्राओं से पूछताछ करने में जुटी है। परिजनों ने थानेदार को पत्र लिखकर दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार गंभीर चिंता का विषयः शंकराचार्य अधोक्षजानंद

लोकतांत्रिक सरकार, सख्त अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप और मानवाधिकार संगठनों की चुप्पी पर उठाए सवाल

जगतगुरु ने की सीएम योगी की प्रशंसा, बोले यूपी सनातन संस्कृति का बना सबसे बड़ा केंद्र

कहाः आज भारत का युवा स्वयं को सनातन धर्म से जोड़कर देख रहा है, जो आने वाले भविष्य के लिए अत्यंत शुभ संकेत है

प्रयागराज। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री अधोक्षजानंद देवतीर्थ जी महाराज, गोवर्धनपीठ ने प्रयागराज में आयोजित माघ मेला के दौरान बांग्लादेश में हिंदुओं की स्थिति को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं की हालत दिन-प्रतिदिन बदतर होती जा रही है। वहां न तो कोई जिम्मेदार सरकार नजर आ रही है और न ही तथाकथित मानवाधिकार संगठनों की कोई ठोस प्रतिक्रिया सामने आ रही है।

शंकराचार्य जी ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं की सामूहिक हत्याएं, घरों को जलाना, दुकानों को लूटना और धर्म के आधार पर हिंसा की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, लेकिन जो संगठन मानवाधिकारों की बात करते हैं, वे इस गंभीर अन्याय पर मौन साधे हुए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि संयुक्त राष्ट्र (ळहगूर्ूदहे) जैसी संस्थाएं भी ऐसी स्थिति में चुप रहती हैं, तो उनकी प्रासंगिकता पर प्रशनचिह्न लगना स्वाभाविक है। उन्होंने विश्व बिरादरी से बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा के लिए सख्त कार्रवाई की मांग की।

शंकराचार्य अधोक्षजानंद जी ने कहा कि बांग्लादेश भारत की सनातन परंपरा और इतिहास से गहराई से जुड़ा हुआ क्षेत्र है। आदि गुरु शंकराचार्य द्वारा स्थापित चार मठों में से गोवर्धनपीठ के संरक्षित क्षेत्र में बांग्लादेश भी शामिल है। वहां आज भी लगभग 60 शक्तिपीठ, अनेक ऐतिहासिक, पौराणिक और धार्मिक स्थल मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि सवा सौ करोड़ हिंदुओं की आस्था और विरासत को यूं ही नष्ट होने के लिए नहीं छोड़ा जा सकता।

उन्होंने बताया कि माघ मेला एवं आगामी चुनावों के बाद वे बांग्लादेश जाने की योजना बना रहे हैं, जहां धर्म सभाओं के माध्यम से सनातन समाज को जागरूक किया जाएगा तथा वहां की सरकार से हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर संवाद किया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भूमिका की सराहना करते हुए शंकराचार्य जी ने कहा कि 'राजा का धर्म ही प्रजा का धर्म होता है'– यह शास्त्रसम्मत मान्यता है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं धर्मज्ञ एवं धर्मनिष्ठ शासक हैं। उनके आचरण, जीवनशैली और निणर्यों का प्रभाव पूरे समाज पर स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। आज भारत का युवा स्वयं को सनातन धर्म से जोड़कर देख रहा है, जो आने वाले भविष्य के लिए अत्यंत शुभ संकेत है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सदैव से भारत का सिरमौर राज्य रहा है। प्रयागराज, काशी, अयोध्या जैसे तीर्थ स्थलों का विकास, कुंभ एवं माघ मेले का भव्य आयोजन और श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाओं ने पूरी दुनिया में यह संदेश दिया है कि उत्तर प्रदेश आज विश्व का सबसे बड़ा सनातनी केंद्र बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक ओर सर्वांगीण विकास कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सनातन धर्म के संरक्षण और उत्थान के लिए निरंतर कार्यरत हैं।

शंकराचार्य जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश मॉडल आज विश्वभर के सनातनियों को भारत की ओर आकर्षित कर रहा है और आने वाला समय सनातन संस्कृति के लिए अत्यंत स्वर्णिम भविष्य का संकेत दे रहा है।

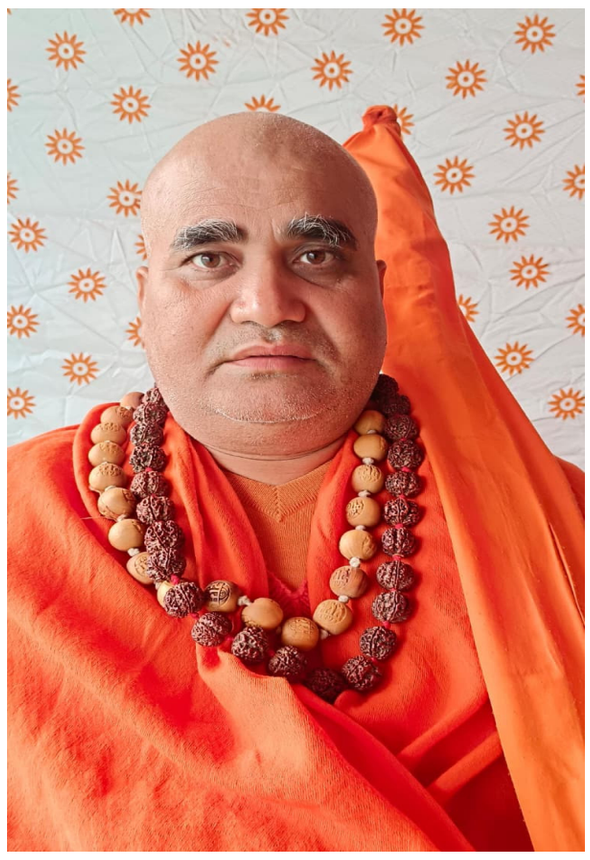

मुख्यमंत्री कलाकार पेंशन योजना के तहत अररिया के चार वरिष्ठ कलाकार सम्मानित

जिला प्रशासन ने अंगवस्त्र व पुष्पगुच्छ भेंट कर बढ़ाया कलाकारों का आत्मसम्मान, हर माह 3000 रुपये पेंशन से मिलेगी सामाजिक सुरक्षा

अररिया :बिहार सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कलाकार पेंशन योजना राज्य के वरिष्ठ, समर्पित

एवं संघर्षशील कलाकारों के लिए एक मजबूत सामाजिक सुरक्षा कवच के रूप में सामने आई है। इसी कड़ी में जिला अररिया से इस योजना के अंतर्गत चयनित 04 वरिष्ठ कलाकारों को सम्मानित किया गया। यह सम्मान उप विकास आयुक्त, अररिया द्वारा कार्यालय कक्ष में अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर दिया गया। इस अवसर पर सम्मान प्राप्त कर रहे कलाकारों के चेहरों पर आत्मगौरव, संतोष और प्रसनन्ता साफ झलक रही थी।

सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त ने कहा कि कलाकार किसी भी समाज की सांस्कृतिक आत्मा होते हैं। लोक कला, लोक संगीत, लोक नृत्य, रंगमंच और पारंपरिक विधाओं को जीवंत बनाए रखने में कलाकारों की भूमिका अतुलनीय है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कलाकार पेंशन योजना उन कलाकारों के प्रति सरकार की संवेदनशीलता और कृतज्ञता का प्रतीक है, जिन्होंने अपना पूरा जीवन कला-साधना को समर्पित कर दिया, लेकिन आर्थिक असुरक्षा के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

उन्होंने आगे कहा कि यह योजना केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह कलाकारों के सम्मान, आत्मसम्मान और सुरक्षित भविष्य की गारंटी है। नियमित पेंशन मिलने से वरिष्ठ कलाकार सम्मानपूर्वक जीवन यापन कर सकेंगे और साथ ही अपनी कला को नई पीढ़ी तक हस्तांतरित करने के लिए प्रेरित होंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिला प्रशासन का निरंतर प्रयास है कि कोई भी पात्र कलाकार इस योजना से वंचित न रहे और जरूरतमंद कलाकारों तक योजना का लाभ समय पर पहुंचे।

कार्यक्रम के दौरान जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी, अररिया ने योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि इस चरण में चयनित लाभाथियों में राम कुमार भगत, गोपाल कृष्ण पंडित, हरिश्चंद्र सिंह और रमेश सिंह शामिल हैं। इन सभी कलाकारों को 3000 रुपये प्रतिमाह की पेंशन राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की जा रही है। यह भुगतान कला एवं संस्कृति विभाग, बिहार सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री कलाकार पेंशन योजना के अंतर्गत वही कलाकार पात्र माने जाते हैं, जिनकी आयु 50 वर्ष या उससे अधिक हो, जिन्होंने कम से कम 10 वर्षों तक किसी न किसी कला विधा में सक्रिय योगदान दिया हो, जिनकी वार्षिक आय 1.20 लाख रुपये से कम हो और जो बिहार राज्य के स्थायी निवासी हों। यह योजना विशेष रूप से लोक गायक, लोक नर्तक, पारंपरिक वादक, रंगकर्मी, नाट्य कलाकार, शिल्पकार सहित अन्य सांस्कृतिक विधाओं से जुड़े वरिष्ठ कलाकारों को ध्यान में रखकर बनाई गई है।कार्यक्रम में मौजूद अधिकारियों ने यह भी कहा कि समाज की सांस्कृतिक विरासत को बचाने में कलाकारों की भूमिका अमूल्य है, ऐसे में उनका संरक्षण और सम्मान सरकार और समाज दोनों की जिम्मेदारी है। कलाकारों ने भी इस सम्मान और पेंशन योजना के लिए राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि इससे उन्हें न केवल आर्थिक संबल मिला है, बल्कि वर्षों की साधना को सार्वजनिक मान्यता भी प्राप्त हुई है।अंत में यह जानकारी दी गई कि मुख्यमंत्री कलाकार पेंशन योजना से संबंधित आवेदन, पात्रता एवं आवश्यक दस्तावेजों के संबंध में इच्छुक कलाकार जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी, अररिया से कार्यालय अवधि में संपर्क कर सकते हैं। इसके लिए मोबाइल नंबर 8434553767 पर भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

बंद चीनी मिलों का होगा पुनरूद्धार और 25 नई चीनी मिलें स्थापित करने की तैयारी, बड़े पैमाने पर पैदा होंगे रोजगार के अवसर

पटना, तीन दशकों से बंद पड़ी चीनी मिलों को दोबारा चालू करने की दिशा में राज्य सरकार ने निर्णायक कदम उठा लिया है। पहले चरण में 7 बंद चीनी मिलों को शुरू किया जाएगा, जिनके संचालन के लिए 18 से 24 महीने की स्पष्ट समय-सीमा तय की गई है। सरकार का दावा है कि इन मिलों के चालू होते ही राज्य में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे और करीब 2 लाख युवाओं को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से नौकरी और रोजगार मिलेगा। यह पहल सरकार के उस व्यापक लक्ष्य से जुड़ी है, जिसके तहत अगले पांच वर्षों में 1 करोड़ युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की योजना बनाई गई है। चीनी मिलों के पुनरुद्धार की यह योजना केवल पुराने कारखानों को खोलने तक सीमित नहीं है। पहले चरण में मिलों के संचालन के बाद सरकार 25 नई चीनी मिलें स्थापित करने की भी तैयारी कर रही है। दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, सारण, पूर्वी और पश्चिम चंपारण जैसे गनन उत्पादक क्षेत्रों को इस विस्तार का केंद्र बनाया गया है। इन इलाकों में चीनी उद्योग के फिर से सक्रिय होने से न सिर्फ औद्योगिक गतिविधियां बढ़ेंगी, बल्कि स्थानीय बाजार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नया सहारा मिलेगा।सरकार के मुताबिक, चीनी मिलों को दोबारा शुरू करने की सबसे बड़ी वजह रोजगार सृजन है। राज्य ने पांच वर्षों में 1 करोड़ नौकरी और रोजगार का लक्ष्य तय किया है और इसके लिए उन सेक्टरों पर फोकस किया जा रहा है, जहां बड़ी संख्या में लोगों को काम मिल सकता है। चीनी उद्योग ऐसा ही क्षेत्र माना जा रहा है, जहां उद्योग, कृषि और सेवाओं–तीनों का संगम संभव है।इस पहल से सबसे बड़ा फायदा गनन किसानों को मिलने की उम्मीद है। मिलों के शुरू होते ही किसानों को अपनी

उपज के लिए नजदीकी बाजार मिलेगा, जिससे परिवहन की लागत कम होगी और समय पर भुगतान की समस्या भी घटेगी। इससे गनने की खेती को बढ़ावा मिलेगा और ग्रामीण इलाकों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे, जो लंबे समय से जारी पलायन पर भी असर डाल सकते हैं।ईखायुक्त अनिल कुमार झा का कहना है कि बंद चीनी मिलों को खोलने की दिशा में बड़े स्तर पर तैयारी शुरू हो चुकी है और अगले दो वर्षों में इसके ठोस नतीजे दिखेंगे। उनके मुताबिक, मिलों के चालू होने से न केवल बड़े पैमाने पर रोजगार का सृजन होगा, बल्कि किसानों को प्रोत्साहन देकर गनने की खेती बढ़ाने पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है।इस पूरी योजना को जमीन पर उतारने के लिए सरकार ने तीन अनुभवी विशेषज्ञों को जिम्मेदारी सौंपी है। इनमें डॉ. बक्शी राम, सेवानिवृत्त वैज्ञानिक, शुगरकेन ब्रीडिंग इंस्टीट्यूट, अमित कुमार सिंह, प्रबंध निदेशक, वर्द्धन सीबीजी और मांडव प्रभाकर राव, पूर्व अध्यक्ष, इंडिन शुगर मिल्स एसोसिएशन शामिल हैं। इनकी तकनीकी और प्रबंधन संबंधी सलाह के आधार पर मिलों के संचालन से लेकर किसानों की भागीदारी तक का पूरा रोडमैप तैयार किया गया है।

दानापुर में दिनदहाड़े युवक की गोली मारकर हत्या, घर के पास ही खाली कमरे में मिला शव

पटनाः फुलवारी शरीफ थाना क्षेत्र के खलीलपुरा मिन्हाज नगर मोहल्ले में दिनदहाड़े एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 31 वर्षीय महताब आलम, पिता सलीम के रूप में हुई है। उसका शव घर के बगल में स्थित एक खाली और जर्जर मकान के कमरे से बरामद किया गया। युवक के सिर में गोली मारी गई थी, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही पूरे इलाके में

अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया। संकरी गली में स्थित घटनास्थल पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। मृतक के भाई ने बताया कि महताब सुबह नाश्ता करने के बाद घर से निकला था। दोपहर तक जब वह वापस नहीं लौटा तो परिजन उसकी तलाश करने लगे। इसी दौरान घर से कुछ ही दूरी पर खाली प्लॉट में बने कमरे के अंदर उसका शव खून से लथपथ हालत में मिला। परिजनों के अनुसार, उन्होंने गोली चलने की तीन आवाज भी सुनी थी।

सूचना मिलने पर फुलवारी शरीफ थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके को घेरकर जांच शुरू की।

एनयूजे प्रयागराज के कैलेन्डर का नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष ने किया अनावरण

कशिश मीडिया

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स, उत्तर प्रदेश (एनयूजे) की प्रदेश कार्यकारिणी बैठक में आयोजित प्रदेश कार्यकारिणी बैठक में प्रदेश कार्यसमिति के पदाधिकारियों के साथ-साथ अधिकांश जनपद इकाइयों के अध्यक्ष, महामंत्री और कोषाध्यक्ष उपस्थित रहे। बैठक का संचालन प्रदेश महामंत्री संतोष भगवन ने किया। इस दौरान संरक्षक अजय कुमार, अशोक अगिन्होत्री और के. बख्श सिंह संरक्षत्व में मंच साझा किया गया। मंच पर प्रदेश कोषाध्यक्ष अनुपम चौहान भी मौजूद रहे। इसी बीच प्रयागराज इकाई के कोषाध्यक्ष मनोज कुमार का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया।

के. बख्श सिंह बने कार्यवाहक अध्यक्ष

बैठक की शुरुआत में प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक कुमार जैन ने के. बख्श सिंह को कार्यवाहक अध्यक्ष नामित करने का प्रस्ताव रखा, जिसे संरक्षक अजय कुमार ने समर्थन दिया। सभागार में मौजूद सभी सदस्यों ने खड़े होकर तालियों की गड़गड़ाहट के साथ प्रस्ताव का स्वागत किया। इसके बाद प्रदेश उपाध्यक्ष निभन्य सक्सेना ने कार्यवाहक अध्यक्ष के नेतृत्व में आगे की कार्यवाही संचालित करने की बात कही।

संगठन और ट्रस्ट विवाद पर तीखे विचार

इसी बीच, प्रदेश उपाध्यक्ष हिमांशु सिंह ने कहा कि किसी भी निजी ट्रस्ट को पत्रकार संगठन की मान्यता नहीं दी जा सकती। उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठन का नेतृत्व ऐसा होना चाहिए जो पत्रकारों के जायज़ मुद्दों को मजबूती से उठा सके। प्रदेश प्रवक्ता डॉ. अतुल मोहन सिंह ने संगठन में समान सम्मान और समभाव की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सामान्य सदस्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना शीर्ष नेतृत्व।

प्रदेश सचिव राकेश श्रीवास्तव, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य हरीश सैनी, प्रयागराज जिलाध्यक्ष कुंदन श्रीवास्तव, चंदौली जिलाध्यक्ष दीपक सिंह, सुल्तानपुर सदस्य अरुण जायसवाल एवं श्याम चंद्र श्रीवास्तव, आजमगढ़ से आये डॉ. संतोष श्रीवास्तव सहित कई वक्ताओं ने संगठनात्मक एकता, पारदर्शिता और सक्रिय नेतृत्व की आवश्यकता पर अपने विचार रखे। इसके बाद लखनऊ की कार्यवाहक जिलाध्यक्ष मीनाक्षी वर्मा ने सभी जनपद इकाइयों को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

'हम रेखा मिटाने में नहीं, नई रेखा बनाने में विश्वास करते हैं'

संरक्षक अजय कुमार ने कहा कि संगठन की शक्ति उसकी एकता में होती है। उन्होंने कार्यवाहक अध्यक्ष के. बख्श सिंह को संगठन का मजबूत स्तंभ बताते हुए कहा कि उनकी सक्रियता से पत्रकारों की समस्याओं का समाधान होगा। कार्यवाहक अध्यक्ष के. बख्श सिंह ने कहा कि वे किसी बड़े वादे की बजाय सदस्यों की उम्मीदों, आशाओं और आकांक्षाओं पर खरा उतरने का ईमानदार प्रयास करेंगे और संगठन को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे।

केंद्रीय नेतृत्व का बड़ा ऐलान

संरक्षक एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष डॉ. अरविंद सिंह ने स्पष्ट किया कि विवाद की जड़ बने नवगठित ट्रस्ट को तत्काल प्रभाव से समाप्त किया जाएगा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि जल्द ही उत्तर प्रदेश इकाई के चुनाव कराए जाएंगे, जो केंद्रीय पर्यवेक्षक और चुनाव अधिकारी की देखरेख में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष होंगे। लखनऊ इकाई की ओर से कार्यवाहक जिलाध्यक्ष मीनाक्षी वर्मा, महामंत्री श्यामल त्रिपाठी और कोषाध्यक्ष अभिनव श्रीवास्तव और संगठन मंत्री अनिल सिंह के नेतृत्व में प्रदेश भर से आए पदाधिकारियों का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर शिव सागर सिंह, पंकज सिंह चौहान, पूनम कुमारी, शिवेंद्र पाण्डेय, आलोक श्रीवास्तव, मनीषा सिंह, टीटू शर्मा, नागेंद्र सिंह, किरन सिंह, फरहान इराकी, रोलैंड डिसूजा, सचिन भार्गव, के.के. सिंह समेत बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

संगठनात्मक दृष्टि से अहम निणय्र लिए गए। बैठक में वरिष्ठ पत्रकार के. बख्श सिंह को कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष नामित किया गया। इसके साथ ही ट्रस्ट डीड रजिस्ट्रेशन से जुड़े विवाद पर कड़ा रुख अपनाते हुए तीन महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए।

रविवार को राजधानी लखनऊ स्थित होटल द कॉन्टिनेंटल में

मजदूरों के रोजगार पर छाया संकट

कशिश मीडिया

प्रयागराज। बीरकाजी में कांग्रेस पार्टी की मनरेगा बचाओ संग्राम चौपाल का आयोजन किया गया।चौपाल को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि गंगापार के जिला अध्यक्ष अशफाक अहमद ने कहा कि महात्मा गांधी रोजगार गारंटी अधिनियम के तहत गरीब मजदूर परिवार को घर द्वार पर 100 दिन का रोजगार मिलता था जिससे उनके जीवन यापन की व्यवस्था सुचार रूप से चल रही थी। परंतु भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने मनरेगा का नाम बदलकर जीरामजी रख दिया जिससे मजदूरों के रोजगार की कोई कानूनी गारंटी नहीं रहेगी। मनरेगा के तहत देश के 2.5 लाख ग्राम पंचायतों और करोड़ों लोगों तक रोजगार पहुंच रहा है। भारत के करोड़ों लोगों की जीवन जीने का साधन बन चुकी मनरेगा योजना पर सरकार ने बुलडोजर चला दिया है। इसी के खिलाफ यह देशव्यापी संघर्ष काम के अधिकार, मजदूरी के अधिकार और जवाबदेही के संवैधानिक अधिकार की बहाली के लिए। कांग्रेस पार्टी अनवरत संघर्ष जारी रखेगी जब तक मनरेगा को पुनः वापस नहीं लाया जाता।कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष निशा सिंह ने किया। इस अवसर पर विशेष आमंत्रित सदस्य शरद उपाध्याय मुनन, महेश त्रिपाठी, परवेज ताहिर, मंजू देवी, सुनीता देवी, सहाना बेगम, पुष्पा चौधरी, ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप पाण्डेय, अवधेश चौरसिया, डॉ.अमर सिंह पटेल, मो.फारूक, श्यामजी धुरिया, सद्दाम हुसैन सिद्दीकी, शिवप्रसाद मौर्या, सलीम टाइगर, मो.यूसुफ, संगीता देवी, समेत सैकड़ों महिलाएं उपस्थित रहीं।

बटुक ब्राह्मणों की शिखा को बेरहमी से पकड़ के खींचने वाले दोषी पुलिसकर्मियों को कठोर सजा मिलनी चाहिए

कशिश मीडिया

मौनी अमावस्या सनन के दिन जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी

अविमुक्तेस्वरानंद जी को सनन करने से रोके जाने एवं उनके शिष्यों एवं बटुक ब्राह्मणों की शिखा को पकड़कर जिस तरीके से पुलिस कमिऱ्यों ने घसीट घसीट के बेरहमी से बर्बरता से मारा उसी के खिलाफ पू महानगर संगठन सचिव एवं कांग्रेस नेता विनय पाण्डेय ने उस दिल दहला देने वाली तस्वीर को लेकर विरोध जताया एवं कहा कि दोषी पुलिस कमिऱ्यों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए. कांग्रेस नेता विनय पाण्डेय ने उत्तर प्रदेश की तानाशाही योगी सरकार से कहा कि यह सनातन का अपमान है और हम सनातनी लोग सनातन का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे...

हजरत पेड़ा शाह बाबा का उर्स अकीदतो वा एहतेराम से मनाया गया

कशिश मीडिया

प्रयागराज बहादुरगंज स्तिथ हजरत पेड़ा शाह रहमत उल्लाह का सालाना उर्स मुबारक हर साल की तरह भी रजब मुकार्रब की 29 तारीख को इस साल भी बड़ी ही अकीदत वा एहतेराम से मनाया गया।जिसमे जायरीनों ने बड़ी तादात में शिरकत की बाद नमाज फज्र गुस्ल कुरआनखावनी नियाज़ और बाद नमाजे ईशा

चादर पेशी हुई और महफ़िल शमा क़व्वाली का एहतमाम किया गया। और मुल्क में अमन वा चैन की दुआए की गई।इस दरगाह की खास बात ये है कि यहां पर हिंदू मुस्लिम सभी मिलके मनन्ते मांगते है जो दिल खुसुस पूरी होती है।सामिल में सकील अहमद उर्फ गुड्डू,अली अहमद,बच्चा,हाजी मोहम्मद हामिद कुरैशी,मो आदिल,मो सफीक,मौलाना इमरान,मो सकील,असद कुरैशी,मौलाना इंतखाफ,विक्की,सामिल रहे।

श्री राम वन गमन मार्ग पर यात्रा कर रहे डॉ.मुकेश चौहान का किया गया स्वागत

उजाला सेवा संस्था, आसरा फाउंडेशन और श्री कटरा रामलीला कमेटी ने राम वन पथ गमन के यात्री का स्वागत-अभिनन्दन किया

प्रयागराज। मर्यादा पुरषोत्तम श्री राम के पथ पर सनातन धर्म और संस्कृति का प्रचार प्रसार करने बाईक पर निकले समाजसेवी डॉ. मुकेश चौहान का महर्षि भारद्वाज आश्रम में शहर के पहले नागरिक

मेयर गणेश केसरवानी ने अभिनंदन किया। राम नगरी

अयोध्या से निकली बाईक यात्रा श्रृंगवेरपुर होते हुए महर्षि भारद्वाज के आश्रम पहुँचे.आश्रम में उजाला सेवा संस्था,आसरा फाउंडेशन और श्री कटरा रामलीला कमेटी ने इस विशेष और रोमांचक यात्रा का स्वागत किया। समारोह में डॉ. मुकेश चौहान और उनकी टीम का माल्यार्पण, अंगवस्त्रम और स्मृति चिन्ह प्रदान कर अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि मेयर गणेश केसरवानी ने यात्रा की सफलता की कामना करते हुई सनातन धर्म को आगे बढ़ाने की बात कही। समारोह की अध्यक्षता करते हुए भारत भाग्य विधाता के संयोजक और वरिष्ठ पत्रकार वीरेंद्र पाठक ने श्री राम वन पथ गमन मार्ग की प्रशांगिकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। समारोह के विशिष्ट अतिथि डॉ. पुष्पेंद्र सिंह ने श्री राम के जीवन पर प्रकाश डाला। धन्यवाद ज्ञापन आसरा फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रदीप तिवारी ने किया। समारोह का संचालन उजाला सेवा संस्था के अध्यक्ष और वरिष्ठ पत्रकार आलम मालवीय ने किया।

श्री राम वन गमन मार्ग पर डॉ मुकेश चौहान निवासी आगरा एवं उनके तीन अन्य साथी बाइक से भगवान राम की नगरी अयोध्या से श्रीलंका तक जाएंगे। बनवास के दिनों में जिस पथ पर श्री राम गए थे उसी मार्ग राम वन गमन मार्ग पर लगभग बीस हजार किलोमीटर की यात्रा बाइक से 75 दिनों में तय करेंगे। स्वागत समारोह के अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार पियूष पाण्डेय, संतोष तिवारी, विवेक सिंह, मानस तिवारी, अभय नाथ मालवीय, राजेश निर्मल, शिव जी मालवीय, अभिषेक केसरवानी, शशांक जैन सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

भागीरथ सहयोग सेवा संस्थान द्वारा हनुमान चालीसा पुस्तकों का वितरण

कशिश मीडिया

प्रयागराज ।मंगलवार को माघ मेला क्षेत्र स्थित लेटे हुए बजरंगबली के समीप भागीरथ सहयोग सेवा संस्थान द्वारा श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ हनुमान चालीसा पुस्तकों का वितरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पनन्न हुआ। इस पुनीत अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की और संस्थान के सेवा कार्य की सराहना की।

कार्यक्रम में संस्थान के संस्थापक एवं राष्ट्रीय सचिव अवनीश सिंह चंदेल, प्रदेश सचिव शिवराज यशपाल सिंह यादव, विनय विश्वकर्मा, संदीप यादव सहित अनेक भागीरथ सेवकों ने स्वयं उपस्थित रहकर श्रद्धालुओं को हनुमान चालीसा की पुस्तकें वितरित कीं।

संस्थान के पदाधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के धार्मिक एवं सामाजिक सेवा कार्यों का उद्देश्य जनमानस में आध्यात्मिक चेतना का प्रसार करना तथा सेवा और सद्भाव का संदेश देना है। श्रद्धालुओं ने भी इस पहल को सराहते हुए भविष्य में ऐसे आयोजनों की निरंतरता की कामना की।

भागीरथ सहयोग सेवा संस्थान द्वारा माघ मेला क्षेत्र में निरंतर सेवा कार्यों के माध्यम से सामाजिक दायित्वों का निर्वहन किया जा रहा है, जो निश्चित रूप से समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।

वास्तविक कहानियों ने दर्शकों को भाव विभोर किया

कशिश मीडिया

प्रयागराज।माघमेला क्षेत्र स्थित संस्कार भारती प्रयागराज के शिविर में चल रहे 11दिवसीय सांस्कृतिक उत्सव 'अवलोकन तीरथराजु चलो रे-2026' के अंतर्गत द्वितीय संध्या का आगाज हुआ कथा-कथन से ।वाचक

थे इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सेन्टर ऑफ मीडिया स्टडीज के प्रभारी धनंजय चौपड़ा।आपने माघमेला में गुम हुये बच्चे तथा एक महिला विनोदिनी की वास्तविक घटना को बड़ी ही रोचकता एवं सरल-सहज शब्दों में अभिव्यक्त की। आज के मुख्य अतिथि स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वतीमें दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और अपने आशीष वचनों से दर्शकों को सिन्ध किया।

मुजफ्फरपुर बिहार एवं आसाम के लोकनृत्यों ने अनूठी छटा के साथ दर्शक-पंडाल को हर्षोल्लास से भर दिया।

कार्यक्रम का गरिमापूर्ण संचालन किया शाम्भवी शुक्ला ने।डा. योगेन्द्र मिश्रा विश्वबन्धु,प्रेमलता मिश्र,डा. मधु शुक्ला, कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा, दीपक शर्मा,सुशील राय,शम्भूनाथ श्रीवास्तव,राजेन्द्र मिश्र राजनजी, विशाल यादव एवं श्रेयस शुक्ला की गरिमापूर्ण उपस्थिति ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

महापौर ने किया इंटरनेशनल स्कूल ऑफ डिजाइनिंग का भव्य उदघाटन

कशिश मीडिया

प्रयागराज ।इन्टरनेशनल स्कूल ऑफ डिजाइनिंग का शुभारम्भ सिविल लाइन्स स्थित होटल शहनशाह के द्वितीय फ्लोर में किया गया जिसका उद्घाटन सामारोह आज 20 जनवरी को बडे धूम धाम से किया गया जिसके चीफ गेस्ट ज्योतिषाचायॅ विनोद कुमार ओझा रहे और गेस्ट आफ ऑनर के रूप के उमेश चन्द्र गणेश केशवानी

महापौर प्रयागराज रहे सर्वप्रथम डॉ सुशील सिन्हा जी ने इनका स्वागत किया तत्पश्चात पूनियाजा सिन्हा शिब्या सिन्हा शिवम साहनी आर्यन सिन्हा जो कि इंस्टीट्यूट की ऑनर है ने बुक्के देकर उनका स्वागत सम्मान किया साथ में रीतू सिन्हा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया । डॉ सिन्हा ने बताया कि पूजा सिन्हा ने यू. के. से अपनी पी एच डी पूरी की ही । डॉक्टर सिन्हा ने बताया कि इस घ्एउ इंस्टिट्यूट में कुल चार बैच चलेगे। इंटीरियर डिज़ाइन , फैशन डिज़ाइन, ग्राफिक डिज़ाइन और ज्वेलरी डिज़ाइन। अभी तक ऐसे शिक्षा का प्रयागराज मे अभाव था । आएनएस डी प्रयागराज का प्रथम संस्थान है । इस उदघाटन मे डॉ के पी श्रीवास्तव एमएलसी नितीश वर्मा राकेश पान्डेय उर्फ बबुआ अध्यक्ष हाई कोटॅ बार एशोसिएशन

डॉ मुकुल पान्डेय डॉ बिन्दू विश्वकर्मा डॉ रितू सिन्हा डॉ अमृता त्रिपाठी डॉ संगीता खरे डॉ आर के गुप्ता डॉ दीपक गुप्ता डॉ साहनी तथा अन्य गणमान्य अतिथी उपस्थित थे।

परिवार ही पहली पाठशाला, जहां नैतिक व मानवीय मूल्यों का बीजारोपण : वंदना तिवारी

प्रयागराज(हि.स.)। ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज गंगापुरी रसूलाबाद में मंगलवार को चतुर्थ सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज के चार मूल स्तम्भों - स्व का बोध, कुटुम्ब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण के प्रति दायित्व एवं महिलाओं की सशक्त भूमिका रही।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सह सचिव हिंदू आध्यात्मिक सेवा संस्थान प्रयागराज की वंदना तिवारी ने कुटुम्ब प्रबोधन और भारतीय संस्कृति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि परिवार ही वह पहली पाठशाला है जहां नैतिक और मानवीय मूल्यों का बीजारोपण होता है।कार्यक्रम संयोजिका आचार्या बेबिका राय ने प्रस्ताविकी रखते हुए कार्यक्रम का औपचारिक शुभारम्भ किया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं है, बल्कि छात्रों में संस्कार, संस्कृति और सामाजिक दायित्व की भावना का संचार करना तथा अभिभावकों और बच्चों को भारतीय मूल्यों के महत्व से अवगत कराने और इन सिद्धांतों को दैनिक जीवन में अपनाने हेतु आग्रह किया।विशिष्ट अतिथि हेल्थ इज वेल्थ फिटनेस डायरेक्टर विनीता कक्कड़ ने महिलाओं की सशक्त भूमिका और पर्यावरण संरक्षण विषय पर विचार व्यक्त करते हुए सशक्त महिला शक्ति के अपरिहार्य योगदान को रेखांकित किया और मातृशक्ति से जल बचत एवं वृक्षारोपण जैसे छोटे प्रयासों से प्रकृति की रक्षा करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई सही उत्तर देने वाली मातृ शक्ति को उपहार देकर सम्मानित किया गया। साथ ही प्रेरणा स्वरूप रानी चेनम्मा के रूप में रिया सक्सेना, सुषमा स्वराज के रूप में सुप्रिया शुक्ला, प्रतिभा देवी पाटिल के रूप में रश्मि मिश्रा एवं रानी पद्मावती के रूप में पूजा बरनवाल को सम्मानित किया गया।इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि सहित अन्य अतिथियों व विद्यालय के प्रधानाचार्य युगल किशोर मिश्र ने मां सरस्वती के समक्ष दीपार्चन एवं पुष्पार्चन कर किया। प्रधानाचार्य ने बताया कि इस प्रेरणादायक आयोजन में विद्यालय मातृ भारती की सदस्य एवं लगभग 200 माताओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन आचार्या रीता विश्वकर्मा व श्रद्धा श्रीवास्तव ने किया।

सम्पादकीय

राजनीतिक ड्रामा

बीएमसी चुनाव भारतीय राजनीति का सबसे बड़ा शहरी ड्रामा बन गया, जिसमें ठाकरे परिवार की विरासत दांव पर थी। शिवसेना के विभाजन और उद्धव-राज ठाकरे के एक साथ आने से यह राष्ट्रीय सुखियों में रहा। चुनाव परिणाम ठाकरे ब्रांड के लिए बड़ा झटका साबित हुए, जिससे उनकी राजनीतिक प्रासंगिकता पर सवाल उठ गए। बदलती जनसांख्यिकी और विकास-उन्मुख मतदाताओं के सामने भावनात्मक अपील कमजोर पड़ी, जिससे उन्हें अपनी वापसी के लिए नए सिरे से गढ़ना होगा।

अगर किसी नगर निकाय के चुनाव पर देश भर की निगाहें लगी हों तो उससे इसके महत्व को सहज ही समझा जा सकता है। बृहन्मुंबई महानगर पालिका यानी बीएमसी का चुनाव ऐसा ही रहा। यह चुनाव भारतीय राजनीति का सबसे बड़ा शहरी राजनीतिक ड्रामा बन गया। ऐसा ड्रामा, जिसमें सत्ता, विरासत, पहचान और भविष्य सब कुछ दांव पर लगा था। करीब ?75,000 करोड़ रुपये से अधिक के वार्षिक बजट वाली बीएमसी न केवल भारत का, बल्कि एशिया का सबसे समृद्ध नगर निकाय है।

यह वह संस्था है जिस पर न केवल मुंबई की सूरत सुधारने का दारोमदार है, बल्कि राजनीति के रंगरूटों को गढ़ने का भी यह एक माकूल मंच है। यही कारण है कि इसके चुनावों को लेकर उत्सुकता का भाव रहता है, लेकिन महानगर की सत्ता पर लंबे समय से काबिज शिवसेना के विभाजन, महाराष्ट्र की सत्ता राजनीति में आए ढांचागत बदलाव और बीस वर्षों बाद उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के एक साथ आने ने इस चुनाव को राष्ट्रीय सुखियों का विषय बना दिया।

बीएमसी के माध्यम से मुंबई दशकों तक बालासाहेब ठाकरे की राजनीतिक प्रयोगशाला रही। यही वह मंच था, जहां से मराठी मानुस की राजनीति ने आकार लिया। हिंदुत्व ने शहरी तेवर पाया और कांग्रेस-विरोध एक स्थायी राजनीतिक मुद्दा बना। इसलिए इस चुनाव के परिणाम युगांतकारी जनादेश का संदेश थे। संदेशों का निहितार्थ ठाकरे परिवार की विरासत से भी जुड़ा है। उद्धव ठाकरे के लिए यह चुनाव राजनीतिक अस्तित्व की लड़ाई था। सिर्फ बीएमसी जीतने की नहीं, बल्कि स्वयं को प्रासंगिक बनाए रखने की।

राज ठाकरे और उनकी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के लिए यह परीक्षा थी कि क्या वे अब भी मुंबई की राजनीति में कोई मायने रखते हैं। इन सबसे बढ़कर एक प्रशन् और हवा में तैर रहा था कि क्या एकनाथ शिंदे की शिवसेना अब वास्तव में 'असली शिवसेना' बन चुकी है? मतदाता का फैसला इन सवालों पर साफ था और यह फैसला ठाकरे ब्रांड के लिए अब तक का सबसे बड़ा झटका साबित हुआ।ठाकरे बंधुओं की हार के कारण संरचनात्मक हैं और कुछ प्रतीकात्मक भी।

जैसे 'धनुष-बाण' जैसा चुनाव चिह्न गंवाना, जो दशकों से मुंबई में मराठी अस्मिता, आक्रामक शहरी राजनीति और बालासाहेब ठाकरे की निर्भीक शैली का प्रतीक था। उसके बिना चुनाव लड़ते हुए उद्धव ठाकरे की शिवसेना लगातार सफाई देती, अपना परिचय कराती और अपनी वैधता सिद्ध करती दिखी, मगर चुनावी राजनीति में यह कमजोरी का संकेत होता है, ताकत का नहीं। बालासाहेब ठाकरे की राजनीति मुख्य रूप से मराठी गौरव, आक्रामक हिंदुत्व और कांग्रेस विरोध पर टिकी थी और इन तीनों ही पहलुओं पर समझौता करके उद्धव की शिवसेना वैचारिक रूप से भी कमजोर दिखी।

चुनावों में ठाकरे गुट की 'विकास-विरोधी' होने की छवि भी गहराती चली गई। 1997 से 2022 तक लगभग 25 वर्षों तक बीएमसी पर नियंत्रण के बावजूद ठाकरे खेमे के पास ऐसा कोई ठोस विकास माडल नहीं था, जिसे वे आत्मविश्वास के साथ मतदाताओं के सामने रख सकें। मुंबई जैसे शहर में, जहां मेट्रो, कोस्टल रोड, ट्रांस-हार्बर लिंक और पुनर्विकास परियोजनाएं शहरी जीवन की नई परिभाषा बन चुकी हैं, वहां केवल भावनात्मक अपील पर्याप्त नहीं रही। मतदाता मराठी हो या गैर-मराठी, यह पूछ रहा था कि इतने वर्षों की सत्ता के बाद दिखाने के लिए क्या है?मराठी मानुस का वोट बैंक भी अब उद्धव ठाकरे, एकनाथ शिंदे, भाजपा और राज ठाकरे के बीच बंट चुका है। अब मुंबई शहर रोजगार, आवास, पर्यावरण और जीवन-स्तर की बात करता है। यहां केवल भाषा और पहचान की राजनीति से काम नहीं चलने वाला। गैर-मराठी मतदाताओं ने बड़ी संख्या में उस विकल्प को चुना, जो उन्हें स्थिरता, संसाधन और केंद्र तथा राज्य सरकार के बीच बेहतर तालमेल का भरोसा देता था। 'ट्रिपल इंजन सरकार' का आकर्षण यानी केंद्र, राज्य और बीएमसी में एक ही दल की सरकार का दांव भी मुंबई में एक तरह से निर्णायक साबित हुआ।समय की चूक ने भी ठाकरे बंधुओं को भारी नुकसान पहुंचाया। चुनाव के लगभग छह महीने पहले ही दोनों पहली बार एक मंच पर आए। संयुक्त रैलियां भी हुईं। यह गठबंधन एक तात्कालिक समझौता अधिक लगा और उसमें दीर्घकालिक सहयोग के संकेत नहीं दिखे। शहर की बदलती जनसांख्यिकी ने भी राजनीति का ढांचा बदल दिया है। आज का एक बड़ा वर्ग, फिर चाहे वह मराठी हो या गैर-मराठी, वह बालासाहेब की राजनीति को पुरानी मिसालों से जानता है, अनुभव से नहीं।उनकी राजनीतिक चेतना 'मोदी मॉडल' के विकास, आकांक्षा और राष्ट्रवादी विमर्श से बनी है। इस नए आकांक्षी मतदाता के सामने ठाकरे बंधुओं के पास भविष्य की कोई ठोस तस्वीर नहीं थी। मुस्लिम मतदाताओं की भूमिका को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। पिछले लोकसभा और विधानसभा चुनावों में मुस्लिम मतदाता जैसे ठाकरे गुट के पीछे लामबंद दिखे थे, वैसा बीएमसी चुनाव में नहीं हुआ। निकाय चुनावों में विचारधारा से अधिक व्यावहारिकता मायने रखती है और यहां भी ठाकरे कमजोर पड़े।बीएमसी लंबे समय तक शिवसेना की शक्ति का स्रोत और पार्टी के वित्तीय संसाधन, संगठनात्मक नियंत्रण और राजनीतिक प्रभाव की धुरी रही है। बाला साहेब इसे भलीभांति समझते थे और उद्धव ठाकरे को यह विरासत में मिला। आज जब बीएमसी की सत्ता भी हाथ से निकल चुकी है, तो यह सवाल स्वाभाविक है कि क्या उसके बिना ठाकरे ब्रांड राजनीति टिक पाएगी? क्या केवल नाम और पुरानी स्मृतियों के सहारे मुंबई जैसे शहर में राजनीतिक प्रासंगिकता बची रह सकती है?हालांकि राजनीति में कुछ भी घोषणा करना जल्दबाजी है। खासतौर से यह देखते हुए कि अतीत में भी ठाकरे परिवार ने वापसी की है। मुंबई ने उनके लिए एक कठोर फैसला देने के साथ यह संदेश भी दिया है कि बदलाव करो, खुद को नए रूप में गढ़ो या इतिहास में सिमट जाओ।

बंगाल में लोकतंत्र, विकास और अस्मिता की निर्णायक परीक्षा-घड़ी

महाराष्ट्र के शहरी निकाय चुनावों और बिहार में भाजपा को मिली हालिया सफलता ने पार्टी के आत्मविश्वास को निश्चित रूप से बढ़ाया है। भाजपा का यह विश्वास कि बंगाल अब भी राजनीतिक परिवर्तन के लिए तैयार है, केवल चुनावी आंकड़ों पर आधारित नहीं है, बल्कि वह इसे एक लंबी रणनीति का हिस्सा मानती है।पश्चिम बंगाल की राजनीति इस समय एक ऐसे संक्रमण काल से गुजर रही है, जहां सत्ता, संघर्ष, कानून और जनभावना-चारों धाराएं एक-दूसरे से टकराती हुई दिखाई देती हैं। यह टकराव केवल भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई भर नहीं है, बल्कि यह उस शासन शैली, लोकतांत्रिक मर्यादा और विकास दृष्टि की भी परीक्षा है, जिसके आधार पर बंगाल अपनी आने वाली राजनीतिक दिशा तय करेगा। लंबे समय तक 'खेला होगा' के नारे के सहारे भाजपा को रोकने में सफल रहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सामने इस बार परिस्थितियां अपेक्षाकृत अधिक जटिल, चुनौतीपूर्ण और बहुआयामी नजर आ रही हैं। आज समूचे देश की नजरे पश्चिम बंगाल पर टिकी है। वहां आगामी विधानसभा काफी रोमांचक एवं निर्णायक होगा, जिसमें पश्चिम बंगाल का नया भविष्य बुनने की दिशाएं उद्घाटित होगी।

एक ओर केंद्र और राज्य के बीच टकराव अपने चरम पर है, तो दूसरी ओर केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई, अदालती टिप्पणियां और कानूनी बहसें राजनीतिक विमर्श को नियंत्रित कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणियों ने केवल एक कानूनी प्रशन् ही नहीं उठाया, बल्कि यह संकेत भी दिया कि राज्य सरकारों द्वारा केंद्रीय जांच एजेंसियों के कामकाज में हस्तक्षेप की सीमाएं कहां तक हो सकती हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने ममता बनर्जी की उस राजनीतिक छवि को आंशिक रूप से प्रभावित किया है, जो अब तक स्वयं को केंद्र के कथित दमन के विरुद्ध संघीय ढांचे की रक्षक के रूप में प्रस्तुत करती रही हैं। अदालतों में लंबी चलने वाली कानूनी लड़ाइयों का राजनीतिक प्रभाव तुरंत और गहरा होता है, विशेषकर तब, जब चुनाव नजदीक हों और जनता का ध्यान प्रशासनिक उपलब्धियों से हटकर आरोप-प्रत्यारोप पर केंद्रित होने लगे। बंगाल की राजनीति की एक विशिष्ट विशेषता यह रही है कि यहां विचारधारा और भावनाएं अत्यंत तीव्र रूप से अभिव्यक्त होती हैं। वाम मोर्चे के लंबे शासन के बाद ममता बनर्जी का उदय एक जनांदोलन के रूप में हुआ था। उन्होंने न केवल वामपंथी वर्चस्व को तोड़ा, बल्कि खुद को गरीब, हाशिए के वर्ग और क्षेत्रीय अस्मिता की आवाज के रूप में स्थापित किया। शुरुआती वर्षों में उनकी सरकार ने कुछ कल्याणकारी योजनाओं और सशक्त राजनीतिक संप्रेषण के माध्यम से जनता का विश्वास भी अर्जित किया। किंतु समय के साथ सत्ता का केंद्रीकरण, संगठन पर अत्यधिक नियंत्रण और विरोध के प्रति असहिष्णुता जैसे आरोप भी समानांतर रूप से उभरते गए।

भाजपा ने इन्हीं कमजोरियों को अपना राजनीतिक आधार बनाने की कोशिश की है। 2019 के लोकसभा चुनावों से लेकर अब तक भाजपा ने बंगाल में अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत किया है और हिंदुत्व, राष्ट्रवाद तथा भ्रष्टाचार विरोधी विमर्श को आक्रामक रूप से आगे बढ़ाया है। हालांकि विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने भारी बहुमत से वापसी की, लेकिन यह भी सच है कि भाजपा बंगाल की राजनीति में एक स्थायी और निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित हो चुकी है। मत प्रतिशत में अंतर और सीटों का आंकड़ा भाजपा के लिए भले ही निराशाजनक रहा हो, पर संगठनात्मक विस्तार और सामाजिक आधार का विस्तार उसके लिए भविष्य की संभावनाओं के द्वार खोलता है। हाल के वर्षों में बंगाल में विकास का प्रशन् अपेक्षाकृत पीछे छूटता दिखाई दिया है। उद्योग, निवेश और रोजगार के मुद्दे राजनीतिक शोर में दब गए हैं। आम जनता की एक बड़ी चिंता यह भी है कि राज्य की राजनीति निरंतर टकराव और हिंसा के आरोपों से क्यों घिरी रहती है। चुनावी हिंसा, राजनीतिक कार्यकर्ताओं पर हमले और प्रशासन की निष्पक्षता पर उठते सवाल राज्य की छवि को नुकसान पहुंचाते हैं। पड़ोसी देशों से अवैध घुसपैठ, सीमावर्ती इलाकों में जनसांख्यिकीय बदलाव और कानून-व्यवस्था की चुनौतियां भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन चुकी हैं। इन मुद्दों पर ममता सरकार का रुख अक्सर रक्षात्मक दिखाई देता है, जबकि भाजपा इन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा और सांस्कृतिक पहचान से जोड़कर व्यापक समर्थन जुटाने का प्रयास करती है।

महाराष्ट्र के शहरी निकाय चुनावों और बिहार में भाजपा को मिली हालिया सफलता ने पार्टी के आत्मविश्वास को निश्चित रूप से बढ़ाया है। भाजपा का यह विश्वास कि बंगाल अब भी राजनीतिक परिवर्तन के लिए तैयार है, केवल चुनावी आंकड़ों पर आधारित नहीं है, बल्कि वह इसे एक लंबी रणनीति का हिस्सा मानती है। किंतु बंगाल कोई साधारण राजनीतिक मैदान नहीं है। यहां की सामाजिक संरचना, सांस्कृतिक चेतना और ऐतिहासिक स्मृति किसी भी दल के लिए आसान नहीं रही है। ममता बनर्जी की सबसे बड़ी ताकत आज

भी उनकी जमीनी पकड़ और भावनात्मक अपील है, जो उन्हें भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से अलग, एक क्षेत्रीय और स्थानीय नेता के रूप में स्थापित करती है। आने वाले विधानसभा चुनाव वास्तव में इस बात की कसौटी होंगे कि जनता विकास, स्थिरता और कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता देती है या फिर भावनात्मक और पहचान आधारित राजनीति को? क्या ममता बनर्जी लगातार चौथी बार सत्ता में लौटकर यह सिद्ध कर पाएंगी कि केंद्र से टकराव ही उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी है, या भाजपा जनता को यह विश्वास दिलाने में सफल होगी कि परिवर्तन ही स्थायित्व और विकास का रास्ता है, यह प्रशन् अभी खुला हुआ है। अदालती प्रक्रियाएं, राजनीतिक बयानबाजी और चुनावी रणनीतियां अपनी जगह हैं, लेकिन अंतिम निणर्य बंगाल की जनता के हाथ में है।

पश्चिम बंगाल की राजनीति आज संकीर्णता और सांप्रदायिक ध्रूवीकरण के ऐसे दौर से गुजर रही है, जिसने विकास की गति को गंभीर रूप से अवरुद्ध किया है। कभी देश की आर्थिक, औद्योगिक और बौद्धिक राजधानी कहलाने वाला बंगाल-विशेषकर कोलकाता, आज निवेश, उद्योग और रोजगार के मोर्चे पर पिछड़ता हुआ दिखाई देता है। ममता बनर्जी के लंबे शासनकाल में औद्योगिक विश्वास का क्षरण, पूंजी पलायन, बंद होती इकाइयाँ और युवाओं का अन्य राज्यों की ओर पलायन इस गिरावट के स्पष्ट संकेत हैं। लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वायत्तता पर उठते प्रश्न, विपक्षी आवाज़ों का दमन और चुनावी हिंसा की घटनाएँ राज्य के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य पर गहरी चोट करती हैं। इसके साथ ही, राज्य में सामाजिक ताने-बाने को लेकर बढ़ती आशंकाएँ भी कम चिंताजनक नहीं हैं। अनेक क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था, धार्मिक स्वतंत्रता और अल्पसंख्यक-बहुसंख्यक संबंधों को लेकर शिकायतें सामने आती रही हैं; विशेषकर हिंदू समाज के एक हिस्से में असुरक्षा की भावना ने जनमन को आहत किया है। इन घटनाओं और धारणाओं ने जनता के भरोसे को कमजोर किया है और शासन के प्रति निराशा को बढ़ाया है। राजनीति जब पहचान और विभाजन के इर्द-गिर्द सिमटती है, तो विकास, समावेशन और सामाजिक सौहार्द पीछे छूट जाते हैं, यही आज के बंगाल की त्रासदी बनती दिख रही है।

ऐसे समय में बंगाल की जनता के लिए अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति सजग होना अनिवार्य है। यह राज्य केवल भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि उसकी अस्मिता उसकी बौद्धिक परंपरा, भावनात्मक संवेदनशीलता, धार्मिक सहअस्तित्व, आध्यात्मिक खोज और समृद्ध साहित्यिक विरासत से निर्मित है-रवींद्रनाथ से विवेकानंद तक की धरोहर इसे दिशा देती रही है। दंगों, हिंसा और भय के साए में इस अस्मिता पर जो दाग लगे हैं, उन्हें मिटाने का मार्ग शांतिपूर्ण, जागरूक और निर्भीक लोकतांत्रिक सहभागिता से ही निकलेगा। आगामी चुनाव जनता के लिए आत्ममंथन और आत्मनिणर्य का अवसर है-जहाँ मत केवल सत्ता नहीं, बल्कि बंगाल के भविष्य, उसकी संस्कृति और उसके लोकतांत्रिक आत्मसम्मान की रक्षा का माध्यम बनना चाहिए। बंगाल की बनती नई तस्वीर अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। यह तस्वीर संघर्ष और संभावनाओं, आशंकाओं और उम्मीदों से बनी है। एक ओर सत्ता का अनुभव और जनाधार है, तो दूसरी ओर आक्रामक विपक्ष और राष्ट्रीय राजनीति की ताकत। लोकतंत्र की यही खूबी है कि वह अंतिम शब्द जनता को देता है। बंगाल के मतदाता ही तय करेंगे कि शह-मात की इस राजनीति में अगली चाल किसकी होगी और कौन-सा पक्ष अंततः बाजी मारेगा।

संघीय ढांचे के समक्ष नए खतरे, केंद्रीय एजेंसियों पर प्राथमिकी दर्ज करना अब पैटर्न

भारतीय संघीय ढांचा केंद्र और राज्यों के बीच बढ़ते टकराव का सामना कर रहा है। पश्चिम बंगाल और झारखंड में ईडी पर राज्य पुलिस द्वारा प्राथमिकी दर्ज करना और छापेमारी करना अब एक पैटर्न बन गया है। सुप्रीम कोर्ट और उच्च न्यायालयों ने केंद्रीय एजेंसियों के पक्ष में निणर्य दिए हैं, लेकिन यह घटनाक्रम सहकारी संघवाद को प्रतिरोधी संघवाद में बदल रहा है। यह स्थिति राजनीतिक, संस्थागत और संवैधानिक चुनौतियां पैदा कर रही है, खासकर 2026 के चुनावों से पहले।

भारतीय संघीय ढांचा संविधान की आधारशिला है, जिसमें केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों का स्पष्ट विभाजन सातवीं अनुसूची के माध्यम से किया गया है। संघीय ढांचा सहकारी और प्रतिस्पर्धी, दोनों रूपों में कार्य करता है। इसमें राज्य कानून-व्यवस्था जैसे विषयों पर मुख्य अधिकार रखते हैं, जबकि मनी लांड्रिंग जैसे आर्थिक अपराध समवर्ती सूची में आते हैं, जिसके तहत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी केंद्रीय एजेंसियां स्वतंत्र जांच कर सकती हैं। हाल में पश्चिम बंगाल और झारखंड में हुई घटनाएं इस संघीय ढांचे की मजबूती पर गंभीर सवाल खड़े कर रही हैं। इन घटनाओं से स्पष्ट है कि संघीय ढांचा अब केवल संवैधानिक प्रविधानों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति और संस्थागत संघर्ष से प्रभावित हो रहा है।

बंगाल में ईडी ने कोयला तस्करी और मनी लांड्रिंग के एक पुराने मामले में राजनीतिक परामर्शदाता फर्म आइ-पैक के कोलकाता स्थित कार्यालय और उसके निदेशक प्रतीक जैन के आवास पर छापेमारी की। यह कार्रवाई तृणमूल कांग्रेस से जुड़ी होने के कारण राजनीतिक रूप से संवेदनशील थी, क्योंकि आइ-पैक पार्टी की चुनावी रणनीति तैयार करने में भी सहयोगी रहा है। छापेमारी के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी स्वयं घटनास्थल पर पहुंचीं, जहां उन्होंने कुछ दस्तावेज और डिजिटल उपकरण ले लिए। राज्य पुलिस ने ईडी के अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की, जिसमें दस्तावेज चोरी और जबरन घुसपैठ का आरोप था।

ईडी ने इसे अपनी जांच में प्रत्यक्ष बाधा बताया और सुप्रीम कोर्ट का सहारा लिया। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य पुलिस की प्राथमिकी पर रोक लगा दी, सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने का आदेश दिया और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को नोटिस जारी किया। अदालत ने इसे 'बहुत गंभीर मामला' करार दिया, जिसमें राज्य स्तर से केंद्रीय एजेंसी के कामकाज में हस्तक्षेप का पैटर्न दिखाई दे रहा है। यह घटना संघीय ढांचे के मूल सिद्धांत केंद्र की जांच शक्ति और राज्य की पुलिस अधिकारिता के बीच टकराव को उजागर करती है। इसी प्रकार झारखंड में रांची पुलिस ने ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय पर छापेमारी की। यह कार्रवाई एक पूर्व सरकारी कर्मचारी की शिकायत पर आधारित थी, जिसमें ईडी के अधिकारियों पर पूछताछ के दौरान मारपीट का आरोप था।

पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्य जुटाने के लिए ईडी के कार्यालय पहुंची। ईडी ने इसे भी अपनी जांच में प्रत्यक्ष हस्तक्षेप बताया और झारखंड उच्च न्यायालय में याचिका दायर की। उच्च न्यायालय ने पुलिस जांच पर रोक लगा दी, छापेमारी को 'पूर्व नियोजित' करार दिया और ईडी कार्यालय की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त बल तैनात करने का आदेश दिया। अदालत ने इसके लिए रांची के पुलिस अधीक्षक को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि केंद्रीय एजेंसी के काम में बाधा डालना अस्वीकार्य है। ये दोनों घटनाएं विपक्ष शासित राज्यों में केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई के खिलाफ राज्य स्तर से सक्रिय प्रतिरोध दर्शाती है, जो संघीय ढांचे की अक्षुण्णता को चुनौती दे रही हैं।

संघीय ढांचे में यह तनाव नया नहीं है, लेकिन 2026 के आरंभ में यह चरम पर पहुंच गया है। भारतीय संविधान संघीय ढांचे को मजबूत बनाने के लिए अनुच्छेद 246 के तहत शक्तियों का विभाजन करता है। ईडी मनी लांड्रिंग निवारण अधिनियम, 2002 के तहत कार्य करता है, जो केंद्र की विशेष शक्ति है। फिर भी, राज्य पुलिस का केंद्रीय एजेंसी पर प्राथमिकी दर्ज करना या छापेमारी करना संघीय ढांचे की भावना के विरुद्ध है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह 'सहकारी संघवाद' से 'प्रतिरोधी संघवाद' की ओर संक्रमण है। बंगाल और झारखंड में ईडी की छापेमारी को रोकने के प्रयास केंद्र की बढ़ती जांच शक्ति और राज्यों के राजनीतिक प्रतिरोध के बीच गहराते संघर्ष को उजागर करते हैं।

इन दोनों घटनाओं का संघीय ढांचे पर बहुआयामी प्रभाव पड़ेगा।

डोनाल्ड ट्रंप की कूटनीतिक ब्लैकमेलिंग का वैश्विक फलाफल

देखा जाए तो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की नीतियां नाटो पर दबाव बढ़ा रही हैं, खासकर ग्रीनलैंड विवाद और रक्षा खर्च मांग के माध्यम से। इसके वैश्विक दुष्प्रभाव या असर को समझते हुए ही अमेरिका ने पश्चिमी गोलार्द्ध में खुद को मजबूत करने के लिए बेनेज़ुएला सम्प्रभुता तहस नहस कांड कांड जैसा दुस्साहस दिखाया।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कथित ब्लैकमेलिंग वाली कूटनीतिक रणनीति, विशेष रूप से टैरिफ़ और क्षेत्रीय दावों के माध्यम से, उनके मित्र देश रह रह कर परेशान हो उठते हैं। जबकि अमेरिका के शत्रु देश उनको आंख दिखाकर अपनी मनवाने से भी नहीं चूकते, खासकर चीन, रूस और ईरान जैसे दबंग देश। इससे जहां वैश्विक कूटनीति चौराहे पर खड़ी प्रतीत होती है, वहीं उनकी ढुलमुल नीति व्यापार को गहराई से प्रभावित कर रही है। यही वजह है कि यूरोपीय देश, जापान, भारत आदि अंदर से बेचैन है। सच कहूं तो राष्ट्रपति ट्रंफ का यह अव्यवहारिक व मतलबपरस्त रुख आर्कटिक सुरक्षा, नाटो एकता और बहुपक्षीय व्यापार नियमों को खुली चुनौती दे रहा है।

सबसे पहले इसी कसौटी पर यूरोप व नाटो देशों से जुड़े ग्रीनलैंड विवाद को समझते हैं, जहां ट्रंप ने ग्रीनलैंड को अमेरिका में मिलाने की मांग क्या रख दी, उनके इस अटपटी सोच से उनके मित्र भी बौखलाहट दिखाने लगे। जिससे परेशान अमेरिका ने सहयोगी से विरोधी बन रहे आठ यूरोपीय देशों (डेनमार्क, फ्रांस, जर्मनी आदि) पर 10इ टैरिफ़ लगाने की धमकी दी है, जो जून 2026 तक 25इ हो सकता है। यही वजह है कि यूरोपीय नेता जैसे स्वीडन के पीएम उल्फ क्रिस्टर्सन और नीदरलैंड्स के विदेश मंत्री डेविड वैन वील ने सहयोग की बजाय संवाद पर जोर देते हुए इसे स्पष्ट 'ब्लैकमेल' करार दिया। वहीं, नाटो प्रमुख मार्क रुटे ने ट्रंप से बातचीत की पुष्टि की, लेकिन आर्कटिक क्षेत्र में तनाव बढ़ने की आशंका जताई।

जहां तक चीन-अमेरिका व्यापार युद्ध की बात को इस ब्लैकमेलिंग वाली कसौटी पर कसें तो प्रतीत होता है कि साल 2025 में ट्रंप द्वारा चीन पर 104इ टैरिफ़ लगाने को चीन (बीजिंग) ने खुलकर 'ब्लैकमेलिंग' बताया और अंत तक लड़ने का वादा किया। चीनी पीएम ली कियांग ने इसे संरक्षणवाद का उदाहरण माना, और प्रतिक्रिया स्वरूप यूरोपीय संघ के साथ सहयोग बढ़ाने की बात कही। इससे वैश्विक शेयर बाजारों में मंदी की आशंका बढ़ी, क्योंकि अमेरिका ने 70ह देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ़ लागू किए।

वहीं ट्रंफ की ब्लैकमेलिंग वाली कूटनीति का वैश्विक प्रभाव भी साफ दिख रहा है, क्योंकि उनकी इस रणनीति से नाटो जैसे गठबंधनों में दरार डाल पड़ने लगी है और वैश्विक अर्थव्यवस्था में अस्थिरता के संकेत भी मिलने लगे हैं, क्योंकि 1 फरवरी 2026 की डेडलाइन नजदीक है। यूरोप ने आपात बैठक बुलाई, जबकि भारत जैसे देश भी 26इ से 50 प्रतिशत टैरिफ़ का सामना कर रहे है। इससे इनकी बेचैनी समझी जा सकती है। कुल मिलाकर, ट्रंफ की ब्लैकमेलिंग वाली कूटनीति सिर्फ अमेरिका-प्रथम नीति को प्राथमिकता देती है, लेकिन इससे बहुपक्षीय संस्थाओं के कमजोर होते चले जाने की आशंका भी निराधार नहीं है।

देखा जाए तो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की नीतियां नाटो पर दबाव बढ़ा रही हैं, खासकर ग्रीनलैंड विवाद और रक्षा खर्च मांग के माध्यम से। इसके वैश्विक दुष्प्रभाव या असर को समझते हुए ही अमेरिका ने पश्चिमी गोलार्द्ध में खुद को मजबूत करने के लिए बेनेज़ुएला सम्प्रभुता तहस नहस कांड कांड जैसा दुस्साहस दिखाया। इससे रूस, चीन, भारत, ईरान की फटी पड़ी पैबंद भी सामने आ गई। यह सबकुछ इसलिए किया गया ताकि 'अमेरिका फर्स्ट' दृष्टिकोण को और अधिक मजबूत किया जा सके। अमेरिका की यह खुली पहल उसके नेतृत्व वाले नाटो गठबंधन की एकता को दो टूक चुनौती दे रही है, लेकिन कुछ नाटो सदस्यों ने जिस तरह से अपना रक्षा बजट बढ़ाया है, उससे ट्रंफ का मनोबल बढ़ा है।

जहां तक ग्रीनलैंड सम्बन्धी तनाव की बात है तो ट्रंप की ग्रीनलैंड अधिग्रहण जैसी अव्यवहारिक मांग का विरोध होने के बाद अमेरिका ने डेनमार्क, स्वीडन, जर्मनी जैसे नाटो सदस्यों पर भी 10इ टैरिफ़ लगाए, जो 25इ तक बढ़ सकते हैं। जबकि

यूरोपीय देशों ने आर्कटिक में सैन्य तैनाती बढ़ाई, जबकि ट्रंप ने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा बताया। इस पर नाटो प्रमुख मार्क रुटे ने ट्रंफ सेवबातचीत की, लेकिन विशेषज्ञ इसे गठबंधन के 'सबसे काले घंटे' की संभावना मानते हैं।

जहां तक नाटो देशों पर रक्षा खर्च बढ़ाने सम्बन्धी अमेरिकी दबाव की बात है तो ट्रंप ने सदस्य देशों से जीडीपी का 5इ रक्षा पर खर्च करने की मांग की, जो पहले 2इ के वेल्स वादे से दुगुने से भी ऊपर है। उनके दावे के अनुसार, इस दबाव से खर्च बढ़ा, लेकिन यूरोप को अमेरिकी सुरक्षा 'ब्लैंक चेक' बंद करने की चेतावनी दी। इससे यूरोपीय नेता नाराज़ हैं, जो नाटो विस्तार (जैसे यूक्रेन) रोकने का संकेत भी देता है।

जहां तक ट्रंफ के ब्लैकमेलिंग वाली कूटनीति के संभावित प्रभाव की बात है तो इस बात में कोई दो राय नहीं कि उनकी ये नीतियां नाटो में दरार पैदा कर सकती हैं, और ट्रांस-अटलांटिक संबंधों को कमजोर करेंगी।

यही वजह है कि अमेरिकी संसद में नाटो से निकासी के विधेयक आए हैं, हालांकि तत्काल विदड्रॉल नहीं हुआ। कुल मिलाकर, लेन-देन वाली कूटनीति गठबंधन की विश्वसनीयता को खतरे में डाल रही है। जबकि अमेरिकी सोच है कि यूरोप की गफलत में फंसकर रूस और एशिया की चकरघिननी में फंसकर चीन से खुली दुश्मनी लेने से बेहतर है कि खुद को पश्चिमी गोलार्द्ध यानी उत्तर अमेरिका व दक्षिण अमेरिका के देशों के बीच महफूज रखो और यहां पर यूरोपीय/एशियाई देशों की दाल नहीं गल सके, इस हेतु बेनेज़ुएला जैसी अप्रत्याशित कार्रवाई करते रहो।

कमल किशोर ने प्रकाशन समूह के माध्यम से पत्रकारिता क्षेत्र में सैकड़ों रोजगार दिए : उपेन्द्र मिश्रा

अवार्ड मिलने पर बधाइयों का लगा तांता

रोहतास।वरिष्ठ पत्रकार, संपादक एवं उद्यमी कमल किशोर को प्रतिष्ठित संस्था बिजनेस इन बिहार की ओर से पटना के शांगरी-ला पैलेस में रविवार की रात आयोजित भव्य समारोह में भारत विजनरी लीडर अवार्ड 2026 से सम्मानित किए जाने पर जिले भर में बधाइयों का तांता लगा हुआ है। यह सम्मान उन्हें बिहार में उद्यम एवं व्यापार को बढ़ावा देने, रोजगार के अवसर सृजित करने तथा मीडिया क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया।वरिष्ठ पत्रकार उपेन्द्र मिश्रा ने बधाई देते हुए कहा कि कमल किशोर ने अपने प्रकाशन समूह के माध्यम से पत्रकारिता के क्षेत्र में सैकड़ों युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया है। उन्होंने बताया कि हाल ही में कमल किशोर को बिहार विधानसभा की प्रेस सलाहकार समिति का स्थायी सदस्य भी मनोनीत किया गया है, जो उनके पत्रकारिता के प्रति समर्पण

और विश्वसनीयता को दर्शाता है।

उपेन्द्र मिश्रा ने कहा कि कमल किशोर एक वरिष्ठ पत्रकार होने के साथ-साथ कुशल लेखक भी हैं। वे दूरदर्शन, पीटीआई सहित कई प्रतिष्ठित समाचार पत्रों से जुड़े रहे हैं। पिछले 35 वर्षों से दैनिक समाचार पत्रों के प्रकाशन से जुड़े कमल किशोर ने नक्सल प्रभावित एवं पूर्व में उद्योगविहीन रहे औरंगाबाद जैसे जिले में सकारात्मक एवं रचनात्मक पत्रकारिता के माध्यम से विकास को नई दिशा दी है।पत्रकारिता के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में भी उनकी सक्रिय और महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनके योगदान को देखते हुए यह सम्मान पूरे पत्रकारिता जगत के लिए गौरव की बात है।अवार्ड मिलने पर डेहरी अनुमंडल विधिज्ञ संघ के पूर्व अध्यक्ष उमाशंकर पाण्डेय उर्फ मुटुर पाण्डेय, विधायक राजीव रंजन सिंह उर्फ सोनू सिंह, डॉ उदय सिन्हा, जदयू के वरिष्ठ नेता व प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ निर्मल कुशवाहा, पूर्व विधायक सत्यनारायण यादव, आरएसके पब्लिक स्कूल बस्तीपुर के निदेशक आनंद सिंह, भाजपा युवा नेता अमित पटेल, अभिनव कला संगम के सचिव नन्दन कुमार, बंदी अधिकार के संतोष उपाध्याय, वरिष्ठ पत्रकार जगनारायण पाण्डेय, ददन पाण्डेय, राजू दुबे, सुरेन्द्र तिवारी, मुकेश पाण्डेय, मदन कुमार, राजद नेता राजेश्वर सिंह, सम सोसायटी ऑफ़ इंडिया के संस्थापक,गिरिजाधारी पासवान,अधिवक्ता मिथलेश सिन्हा, कमल सिन्हा, महेंद्र पाण्डेय, पूर्व पार्षद काली बाबू, वरिष्ठ समाजसेवी अख्तर अंसारी (पानी वाले)राजद आति पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव सह मुख्य पार्षद प्रतिनिधि गुड्डू चंद्रवंशी, सरदार सुरजीत सिंह, अशोक सरावगी, रिंकू सोनी, कामधेनु स्वीट के प्रोपराइटर अरुण गुप्ता,वरिष्ठ पत्रकार शमशेद खान,सहित विभिनन राजनीतिक दलों एवं सामाजिक संगठनों के लोगों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

अवैध अतिक्रमण पर एसडीएम नानपारा के नेतृत्व में गरजी जेसीबी

सरकारी भूमि पर बने पक्के निर्माण हुए ज़मींदोज़

बहराइच। नानपारा तहसील क्षेत्रान्तर्गत ग्राम इमामनगर गड़रहवा स्थित गाटा संख्या-280 रकबा 0.1900 है. जोकि राजस्व अभिलेखों में खलिहान के नाम दर्ज है तथा गाटा संख्या 68 जो कि राजस्व अभिलेखों में तालाब के नाम दर्ज है। जिस पर ग्राम के ही कुल 16 व्यक्तियों के द्वारा लंबे समय से उपरोक्त सरकारी भूमि पर पक्का निर्माण करके अवैध कब्जा कर रखा था। सरकारी भूमि पर हुए अवैध अतिक्रमण को उपजिलाधिकारी नानपारा मोनालिसा जौहरी के निर्देश पर नायब तहसीलदार नवाबगंज अक्षय पांडेय, राजस्व निरीक्षक सनाउल्लाह व क्षेत्रीय लेखपाल ने जे.सी.बी के माध्यम से ध्वस्त करवा दिया। ध्वस्तीकरण की कार्यवाही के दौरान दौरान एसएसबी व पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा।

तहसील प्रशासन की सख्त कार्रवाई से यह स्पष्ट संदेश क्षेत्र में गया है कि सरकारी संपत्ति पर अवैध कब्जा किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। एसडीएम नानपारा द्वारा लगातार सरकारी भूमि पर से अवैध अतिक्रमण हटवाए जाने पर क्षेत्र में अवैध अतिक्रमणकारियों में भय का माहौल है वही यह भी स्पष्ट हो गया है कि अब प्रशासन अभियान चलाकर अवैध अतिक्रमण पर कड़ी कार्यवाही कर रहा है। तहसील प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि सरकारी भूमि, तालाब, चकरोड एवं सार्वजनिक संपत्तियों पर किए गए सभी अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध आगे भी अभियान जारी रहेगा। सरकारी भूमि पर अवैध अतिक्रमण को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सनातन की रक्षा के लिए सारे भेदभाव त्यागे - महामंडलेश्वर श्री रवि देवाचार्य

100 वर्षों से हिंदू समाज को जोड़ने का कार्य कर रहा है संघ - अशोक केडिया

बहराइच - महसी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आज दिनांक 20 जनवरी दिन मंगलवार को महसी खंड के जोत चंदपरा मंडल के ग्राम पंचायत औराही स्थित शंकर भगवान के मंदिर प्रांगण में विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम भारत माता के चित्र के सामने दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित कर हुई कार्यक्रम में मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय सामाजिक सद्भाव प्रमुख अशोक कीजिए जी रहे वह मुख्य अतिथि श्री सिद्धनाथ पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर श्री रवि गिरी महाराज एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में पूजा संत विष्णु देवाचार्य जी महाराज रहे मुख्य वक्ता अशोक केडिया ने सम्मेलन को संबोधित करते

हुए कहा की 100 वर्षों से हिंदू समाज को जोड़ने का कार्य संघ कर रहा है तथा आगामी वर्षों में हम पांच प्राण सामाजिक समरसता कुटुंब प्रबोधन पर्यावरण संरक्षण स्वा का बोध एवं नागरिक कर्तव्य को लेकर आम जनमानस को जगाने का कार्य करेंगे। इसी क्रम में हिंदू सम्मेलन को संबोधित करते हुए महामंडलेश्वर रवि गिरी जी महाराज ने कहा हिंदू समाज तभी सुरक्षित रहेगा जब हम जात-पात की भावना से ऊपर उठकर राष्ट्र निर्माण का कार्य करेंगे एवं सनातन की रक्षा के लिए सारे भेदभाव भूलकर धर्म की ध्वजा को लेकर आम बढ़ाएंगे इस अवसर पर जिले के ख्याति प्राप्त संत स्वामी विष्णु देवाचार्य ने कहा कि भारत सैकड़ों सालों से गुलामी की मानसिकता में रहा है यह जागरण का समय है इसमें संपूर्ण हिंदू समाज को एक स्वर में संगठित होकर धर्मउत्थान के कार्य में लगना चाहिए।कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री हरिद्वार प्रसाद जी ने एवं संचालन खंड कार्यवाह टीकाराम ने किया । कार्यक्रम में कार्यक्रम में विचार परिवार से माननीय विधायक सुरेश्वर सिंह ,रामकर पांडे ,अखंड प्रताप सिंह, दिवाकर पांडे, जिला कार्यवाह भूपेंद्र, सह जिला संघचालक डॉक्टर मनोज, बांकेलाल, मायाराम ,विद्याधर बाजपेई, शैलेंद्र सिंह, धर्मेंद्र शुक्ला, शशिकांत त्रिपाठी, सह खण्ड कार्यवाह बृजेंद्र अविनाश, आनंद सरोज ,रामपाल वर्मा, सहित सैकड़ो की संख्या में स्वयंसेवक बंधु उपस्थित है।

मुख्यमंत्री के दृढ़ संकल्प से चकनाचूर हुआ बच्चों की तस्करी का गिरोहः 12 बच्चे सुरक्षित, 13 गिरफ्तार

Office of Chief Minister, Jharkhand
@JharkhandCMO
Show translation

मुख्यमंत्री ने कहा था कि अपराधी गिरोह की कमर तोड़ने की कार्रवाई की जाएगी।
और @HemantSorenJMM सरकार ने वह कर दिखाया।

@JharkhandPolice

बच्चों की तस्करी करनेवाले बड़े अंतरराज्यीय नेटवर्क का खुलासा

चोरी किए गए 12 बच्चे बरामद, 13 गिरफ्तार

अंश-अंशिका का 5 लाख में हो चुका था सौदा

पुलिस का दावा-मानव अंगों की तस्करी से भी जुड़ा है गैंग

बिहार, बंगाल और यूपी से होता है गैंग ऑपरेट

बरामद बच्चों का कराया जाएगा डीएनए टेस्ट

लातेहार। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के अपराधियों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति के वादे को झारखंड पुलिस ने जमीन पर उतार दिया। बच्चों की तस्करी करने वाले बड़े अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पुलिस ने 12 मासूमों को सकुशल बरामद कर लिया। इस जघन्य अपराध में लिप्त 13 आरोपियों को गिरफ्तार भी किया गया।झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) लातेहार जिला अध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहदेव ने इस सफलता पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और पुलिस टीम की जोरदार सराहना की। उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री का अपराधमुक्त झारखंड बनाने का संकल्प अब कार्रवाई के रूप में दिख रहा है। यह केवल घोषणा नहीं, बल्कि सख्त अमल है।' शाहदेव ने बताया कि गिरोह बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा जैसे राज्यों से जुड़ा था, जिसे पुलिस की सुनियोजित रणनीति से नेस्तनाबूद कर दिया गया।बरामद बच्चों की सुरक्षा, देखभाल और पुनर्वास की व्यवस्था सरकार पूरी संवेदनशीलता से कर रही है, जो मानवीय शासन का प्रतीक है। जिला अध्यक्ष ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, 'भ्रम फैलाने वालों के बावजूद हेमंत सरकार जनता की सुरक्षा के प्रति कटिबद्ध है। आगे अपराधियों की कमर तोड़ने वाली कार्रवाइयां तेज होंगी।'शाहदेव ने जनता से अपील की, 'सरकार पर भरोसा रखें। झारखंड अपराधमुक्त बनाने की दिशा में अग्रसर है।

झामुमो नेता जुनैद अनवर की तारीफः सीएम हेमंत सोरेन की सख्त कार्रवाई, 12 बच्चे बरामद, 13 गिरफ्तार

लातेहार। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के वरिष्ठ नेता जुनैद अनवर ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की बाल तस्करी रोकने वाली सख्त कार्रवाई की सराहना की है। उन्होंने कहा कि सीएम के नेतृत्व में पुलिस ने अंतरराज्यीय अभियान चलाकर 12 मासूम बच्चों को तस्करों के चंगुल से मुक्त कराया और 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया। यह सफलता झारखंड सरकार की बच्चों की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।जुनैद अनवर ने बताया कि यह कार्रवाई पड़ोसी राज्यों में फैले तस्करी के नेटवर्क के खिलाफ की गई। बच्चों को

बिहार और अन्य राज्यों से बरामद किया गया, जहां वे गुमशुदा थे। उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बच्चों के हित में जीरो टॉलरेंस पॉलिसी अपनाई है। यह झारखंड के लिए गर्व की बात है।' अनवर ने केंद्र सरकार से भी ऐसे अभियानों में सहयोग बढ़ाने की मांग की।झारखंड में बाल तस्करी एक गंभीर समस्या रही है, खासकर ग्रामीण इलाकों में। सरकार ने विशेष टास्क फोर्स गठित कर निगरानी तेज की है। इस कार्रवाई से पुलिस का मनोबल बढ़ा है। जुनैद ने अभिभावकों से अपील की कि बच्चों पर नजर रखें और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना दें। यह घटना राज्य में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने का संकेत देती है।

युवक लापता, परिजनों में मचा हड़कंप; पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की

केराकत, जौनपुर।स्थानीय थाना क्षेत्र के तरियारी गांव निवासी एक युवक कई दिनों से लापता है, जिसके चलते परिजनों में भारी चिंता और दहशत का माहौल है। परिजनों द्वारा कोतवाली में तहरीर देने के बाद पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर युवक की तलाश शुरू कर दी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, तरियारी गांव निवासी 32 वर्षीय हवलदार पुत्र दीपू 29 दिसंबर को सुबह घर से बिना किसी को बताए कहीं निकला था। दोपहर तक और फिर शाम होने तक जब वह वापस घर नहीं लौटा, तब परिजनों को उसके लापता होने का अहसास हुआ। परिवार ने पहले आसपास के क्षेत्रों, रिश्तेदारों और परिचितों के यहां उसकी तलाश की, लेकिन युवक का कोई सुराग नहीं लग सका।

काफी खोजबीन के बाद भी सफलता न मिलने पर युवक के भाई सूबेदार पुत्र दीपू ने 6 जनवरी को केराकत कोतवाली पहुंचकर अपने भाई के लापता होने की तहरीर दी और उसे खोजने की गुहार लगाई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है और युवक की तलाश में सक्रिय रूप से जुट गई है।

ट्रैक्टर ट्रॉली पलटी किसान की मौत धान बेचकर लौटते समय हुआ हादसा पुलिस जांच में जुटी

सीतापुर। सीतापुर के थाना बिसवा क्षेत्र के अंतर्गत सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में ट्रैक्टर चालक की मौत ये हो गई। यह हादसा सुबह करीब 4 बजे उस समय हुआ जब प्रेमनाथ (45) पुत्र बाबू गिरी निवासी भुडकुंडा थाना सदरपुर सकरन से धान तौलाकर ट्रैक्टर ट्रॉली से अपने घर वापस लौट रहे थे।

जैसे ही ट्रैक्टर-ट्रॉली लक्ष्मणपुर गांव के सामने पहुंची, अचानक बेकाबू होकर सड़क से नीचे उतर गई और रोड के पूरब स्थित खेत में जा

गिरी। हादसे के दौरान चालक प्रेमनाथ ट्रैक्टर से गिर पड़े, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और पुलिस को जानकारी दी।सूचना पर इंस्पेक्टर मुकुल वर्मा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने मौके की जांच पड़ताल की और मृतक के शव को कब्जे में लेकर जिला मुख्यालय पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।इस संबंध में इंस्पेक्टर मुकुल वर्मा ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला ट्रैक्टर-ट्रॉली के बेकाबू होने का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, मौत के सही कारणों की जांच की जा रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। परिजनों ने बताया कि मृतक किसान परिवार का इकलौता सदस्य कमाने वाला था और उसकी मौत से परिवार का सहारा छीन गया है।

दारुका मिल चालू करने की मांग सैकड़ों मजदूरों ने प्रदर्शन किया 6 माह से मजदूरी नहीं मिलने से गहराया संकट

सीतापुर।सीतापुर में जेबी दारुका मिल के सैकड़ों मजदूर मंगलवार दोपहर को अपनी विभिनन मांगों को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और जोरदार प्रदर्शन किया। मजदूरों ने डीएम कार्यालय पहुंचकर बकाया मजदूरी के भुगतान की गुहार लगाई और बंद पड़ी फैक्ट्री को पुन संचालित कराए जाने की मांग उठाई। मजदूरों की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासनिक अमला भी मौके पर सतर्क नजर आया।

प्रदर्शन कर रहे मजदूरों का कहना है कि मिल बंद होने के बाद से उनकी आजीविका पूरी तरह प्रभावित हो गई है। मजदूरों ने आरोप लगाया कि बीते छह माह से उन्हें मजदूरी का भुगतान नहीं किया गया है, जिससे उनके सामने परिवार के भरण-पोषण का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। मजदूरों ने प्रशासन से हस्तक्षेप कर मिल प्रबंधन को बकाया वेतन का तत्काल भुगतान कराने की मांग की।मजदूरों ने डीएम कार्यालय के बाहर नारेबाजी करते हुए चेताया कि यदि शीघ्र ही उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो वे मजबूरन धरना-प्रदर्शन और उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे। मजदूरों का कहना है कि इससे पहले भी वे कई बार मिल गेट पर प्रदर्शन कर चुके हैं, लेकिन प्रबंधन की ओर से सिर्फ आश्वासन ही दिए गए, ठोस कार्रवाई अब तक नहीं हुई।

मजदूर लीडर धीरज श्रीवास्तव ने बताया कि मिल के सैकड़ों कर्मचारी लंबे समय से आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। बच्चों की पढ़ाई, घर का खर्च और इलाज तक कराना मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि मजदूरों ने कई बार अधिकारियों और मिल प्रबंधन से संपर्क किया, लेकिन हर बार उन्हें केवल भरोसा देकर टाल दिया गया।

मजदूरों ने जिलाधिकारी से मांग की कि मिल को दोबारा चालू कराया जाए ताकि उन्हें स्थायी रोजगार मिल सके और लंबित मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित हो। प्रदर्शन के दौरान मजदूरों ने ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों को लिखित रूप में रखा। वहीं प्रशासन की ओर से मजदूरों को आश्वासन दिया गया कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से लिया जाएगा और संबंधित विभाग व मिल प्रबंधन से वार्ता कर जल्द समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा।

चाइनीज मांझा और कोडीन सिरप माफिया को संरक्षण दे रही सरकार : अजय राय

डॉक्टर की मौत पर सरकार की चुप्पी से कांग्रेस आक्रोशित

केराकत,जौनपुर।नगर के मोहल्ला शेखजादा निवासी डॉक्टर समीर हाश्मी पुत्र मुकीम हाश्मी की चाइनीज मांझे की चपेट में आने से हुई दर्दनाक मौत के बाद कांग्रेस पार्टी ने प्रदेश सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर चाइनीज मांझा बिक्री पर कड़ी कार्रवाई व दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम न उठाए जाने से कांग्रेस नेताओं में नाराजगी है।मंगलवार को केराकत में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अजय राय ने प्रदेश सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार दो नंबर के धंधों में संलिप्त लोगों को संरक्षण दे रही है। अजय राय ने कहा कि चाहे चाइनीज मांझा बेचने वाले हों या कोडीन कफ सिरप का अवैध कारोबार करने वाले–सबको सरकार का सहारा मिल रहा है।उन्होंने कहा कि जो लोग सरकार की जय-जयकार कर रहे हैं, उन्हें खुली छूट और संरक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है। कोडीन सिरप के अवैध कारोबार पर तंज कसते हुए अजय राय ने कहा कि सिरप माफियाओं को आशीर्वाद दिया जा रहा है, जबकि आम जनता अपनी जान गंवा रही है।अजय राय ने डॉक्टर समीर हाश्मी के परिजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी और भरोसा दिलाया कि कांग्रेस पार्टी पीडि़त परिवार के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा तथा सरकार पर उचित मुआवजा, कठोर कार्रवाई और चाइनीज मांझे पर पूर्ण प्रतिबंध लागू कराने का दबाव बनाया जाएगा।इस दौरान उपस्थित कांग्रेस

कार्यकर्ताओं ने डॉक्टर समीर हाश्मी की मौत को लेकर गहरा आक्रोश व्यक्त किया और चाइनीज मांझे की बिक्री पर तत्काल पूर्ण प्रतिबंध तथा दोषियों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की मांग की।कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह, जिला उपाध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार गिरी, निलेश सिंह सहप्रभारी केराकत, शेर बहादुर सिंह जिला उपाध्यक्ष, शिव मित्रा, विनय तिवारी जिला उपाध्यक्ष, प्रदेश सचिव पंकज सोनकर, मुन्तजिर हुसैन, ब्लाक अध्यक्ष केराकत नरेंद्र प्रताप, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष लालता चौधरी, ब्लाक अध्यक्ष डोभी सुभाष सिंह, सुशील सोनकर, खुर्शीद अहमद खान, वकील अन्सारी, सूर्यबली, अमजद खान, राम प्रवेश यादव, सुजीत पाल, सुनील कुमार मौर्य, अरुण शुक्ला, आरिफ सलमानी (सेवा दल जिला अध्यक्ष), जब्बार सलमानी सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता व स्थानीय लोग मौजूद रहे।

संकुल ढकवा के उच्च प्राथमिक विद्यालय कन्या पर्वतपुर में आयोजित हुई संकुल मासिक बैठक

रामपुर मथुरा,सीतापुर। दिनांक 20 जनवरी 2026 को संकुल ढकवा के उच्च प्राथमिक विद्यालय कन्या पर्वतपुर, ब्लॉक रामपुर मथुरा, तहसील महमूदाबाद, जनपद सीतापुर में संकुल मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का संचालन अफजाल अहमद, इंचार्ज प्रधानाध्यापक द्वारा किया गया तथा बैठक की अध्यक्षता संतोष सिंह दिनकर, अध्यापक एवं ब्लॉक अध्यक्ष रामपुर मथुरा एवं जिला/मंडल मीडिया प्रभारी लखनऊ (उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ) द्वारा की गई।कार्यक्रम का शुभारंभ माता सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन, पुष्प अर्पण एवं आरती के साथ किया गया।बैठक मेंइ अनंत श्रीवास्तव ने बताया कि कक्षा एक एवं दो के बच्चों का निपुण आकलन किया जाना है। इसके लिए सभी बच्चों को निरंतर अभ्यास कराया जाए तथा जो बच्चे विद्यालय में उपस्थित हो रहे हैं, उन सभी का इस माह में आकलन पूर्ण किया जाना अनिवार्य है।पवन

कुमार, संकुल शिक्षक ने अपने विचार रखते हुए कहा कि निपुण प्लस ऐप पर उपलब्ध प्रैक्टिस टेस्ट का अधिकतम उपयोग कर बच्चों का आकलन किया जाए। साथ ही विभाग एवं आदरणीय जिलाधिकारी महोदय द्वारा जारी एध्झ के समस्त बिंदुओं का अक्षरशः अनुपालन विभाग एवं छात्रों के हित में आवश्यक है।पूर्व नोडल शिक्षक नवनीत प्रताप ने कहा कि सभी शिक्षक निपुण लक्ष्य पर विशेष ध्यान दें, ट्रैकर समय से भरें, कक्षाओं में टाइम-टेबल प्रदर्शित हो तथा शिक्षण कार्य निर्धारित टाइम-टेबल के अनुसार ही किया जाए।बैठक में नोडल शिक्षक दीपक, संकुल शिक्षक रमन कुमार, पवन कुमार, पुष्पेंद्र कुमार, अनूप उत्तम सहित शिक्षक प्रेम प्रकाश पांडेय, अश्वनी वर्मा, रवि कुमार, बिना सिंह, अनुपम त्रिवेदी, अनिता, नेहा वर्मा, स्वाती, बृजेश कुमार मौर्य आदि उपस्थित रहे।संकुल ढकवा के समस्त प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की बैठक में भारी संख्या में सहभागिता रही।

अवैध खनन पर प्रशासन का कड़ा प्रहार, पत्थर लदा ट्रैक्टर जब्त

अररिया : जिले में अवैध बालू, मिट्टी और पत्थर के उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए लगातार कार्रवाई तेज कर दी है। इसी क्रम में दिनांक 20.01.2026 को की गई छापेमारी के दौरान खान निरीक्षक अररिया ने अररिया अंचल क्षेत्र में अवैध रूप से पत्थर लदे एक ट्रैक्टर को परिवहन के दौरान जब्त किया। यह कार्रवाई उस समय की गई, जब ट्रैक्टर बिना वैध कागजात के खनिज का परिवहन कर रहा था।

जब्त किए गए ट्रैक्टर का चेचिस नंबर - ऊ053742425ई एवं इंजन नंबर - ि3853720 बताया गया है। प्रशासनिक कार्रवाई के तहत उक्त ट्रैक्टर को बैरगाछी थाना में सुरक्षार्थ रखा गया है। साथ ही संबंधित वाहन स्वामी पर 1.23 लाख रुपये का दंड अधिरोपित किया गया है। इस कार्रवाई से अवैध खनन में संलिप्त माफियाओं में हड़कंप मच गया है।जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध व्यापक अभियान चलाया गया है। अद्यतन तिथि तक इस अभियान के तहत 101 वाहनों को जब्त किया जा चुका है, जबकि 06 प्राथमिकी भी दर्ज की गई हैं। इसके अलावा दंड के रूप में कुल 142.77 लाख रुपये की शमन राशि की वसूली की गई है, जो सरकार के लिए महत्वपूर्ण राजस्व साबित हुई है।

हिन्दी दैनिक
कशिश मीडिया
खेल
प्रयागराज बुधवार, 21 जनवरी 2026
6

इंडिया ओपन की निराशा छोड़कर टूर्नामेंट में उतरेंगे भारतीय खिलाड़ी, अच्छे प्रदर्शन पर नजरें

जकार्ता (एजेन्सी)।भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पिछले सप्ताह घरेलू धरती पर खेले गए इंडिया ओपन के निराशाजनक प्रदर्शन को पीछे छोड़कर मंगलवार से शुरू होने वाले इंडोनेशिया मास्टर्स में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। पिछले सप्ताह नई दिल्ली में इंडिया ओपन में लक्ष्य सेन पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गए थे। भारत का कोई भी खिलाड़ी किसी भी वर्ग में अंतिम आठ से आगे नहीं बढ़ पाया था। चीनी ताइपे के लिन चुन यी और कोरिया की विश्व में नंबर एक खिलाड़ी आन से यंग ने क्रमशः पुरुष और महिला एकल खिताब जीता। अब सारा ध्यान जकार्ता पर केंद्रित हो गया है, जहां भारतीय खिलाड़ियों को कड़ा ड्रॉ मिला है और उन्हें अपने से अधिक रैंकिंग वाले खिलाड़ियों के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करनी होगी। पिछले साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीतने वाले सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य सिंगापुर के पूर्व विश्व नंबर दो और पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता इंटरनेशनल के फाइनल में पहुंचने वाले किदाम्बी श्रीकांत का मुकाबला

के जिया हेंग जेसन तेह के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे, जबकि एचएस प्रणय को मलयेशिया ली जी जिया की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा।पिछले साल मलयेशिया मास्टर्स और सैयद मोदी जापान के कोकी वातानाबे से, जबकि थारुन मन्नेपल्ली का मुकाबला जापान के युशी तनाका से होगा। आयुष शेट्टी को इंडोनेशिया के तीसरी वरीयता प्राप्त जोनाथन क्रिस्टी की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। महिला एकल में पांचवीं वरीयता प्राप्त पीवी सिंधू जापान की मनामी सुइजू के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। सिंधू को इंडिया ओपन के पहले दौर में ही वियतनाम की विश्व में नंबर 23 गुयेन थुई लिन्ह से हार का सामना करना पड़ा था। जूनियर विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा का मुकाबला जापान की चौथी वरीयता प्राप्त तोमोका मियाजाकी से होगा। उन्नति हुडा पहले दौर में शीर्ष वरीयता प्राप्त चेन युफेई का सामना करेगी जबकि मालविका बंसोड का मुकाबला कनाडा की छठी वरीयता प्राप्त मिशेल ली से होगा। पुरुष युगल में हरिहरन अमसाकरुनन और एमआर अर्जुन चौथे क्वालीफाइंग राउंड में अपनी चुनौती पेश करेंगे।

ऐतिहासिक सीरीज जीत पर पूरी टीम को गर्व : डैरिल मिचेल

इंदौर (एजेन्सी)।न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज डैरिल मिचेल ने कहा कि भारत के खिलाफ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में ऐतिहासिक जीत दबाव में शांति के साथ फैसले लेने और एक दूसरे पर विश्वास करने के कारण मिली।न्यूजीलैंड ने रविवार को यहां खेले गए तीसरे और अंतिम वनडे में 41 रन से जीत दर्ज करके भारतीय धरती पर पहली द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला जीती।भारत ने शतकवीर विराट कोहली और हर्षित राणा की अहम साझेदारी के दम पर 338 रन के मुश्किल लक्ष्य का पीछा करने की उम्मीद जगाई, लेकिन यह साझेदारी टूटने के बाद उसकी उम्मीद पर पानी फिर गया।मिचेल ने स्वीकार किया कि तब उनकी टीम दबाव में थी लेकिन उन्होंने अपने खिलाड़ियों की भी प्रशंसा की जिन्होंने संयम बनाए रखा।तीसरे मैच में 137 रन बनाने वाले मिचेल ने कहा, 'उन्होंने बहुत अच्छी साझेदारी निभाई और तब इस मैदान की प्रकृति, विकेट और छोटे आकार के कारण हम पर काफी दबाव था। मुझे इस बात पर गर्व है कि हमारे खिलाड़ियों ने शांति

से काम लिया और अपनी रणनीति पर अच्छी तरह से अमल किया।'उन्होंने कहा, 'यह शानदार मैच था जो रोमांचक स्थिति में पहुंच गया था। मुझे लगता है कि दोनों टीमों को अपने प्रदर्शन पर बहुत गर्व होना चाहिए।'मिचेल ने इसके साथ ही कहा कि श्रृंखला की मिली यह जीत उनके लिए काफी मायने रखती है।उन्होंने कहा, 'न्यूजीलैंड की कई टीमें अतीत में भारत का दौरा कर चुकी हैं और हर बार जब आप यहां आते हैं तो कुछ न कुछ सीखते और आगे बढ़ते हैं। लेकिन इस टीम के साथ हमने यहां जो हासिल किया है, उस पर टीम के सभी सदस्यों को बहुत गर्व है।

'सुधार की जरूरत', 2-1 से सीरीज हारकर भड़के कप्तान शुभमन गिल

इंदौर (एजेन्सी)।भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज हारने के बाद कहा कि विराट कोहली की शानदार फॉर्म और हर्षित राणा का ऑलराउंड प्रदर्शन टीम के लिए सकारात्मक पहलू रहे,

लेकिन इसके बावजूद टीम को कई क्षेत्रों में सुधार करने की जरूरत है। सीरीज के निर्णायक मुकाबले में विराट कोहली ने अपना रिकॉर्ड बढ़ाते हुए 54वां वनडे शतक लगाया, लेकिन भारत 338 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 46 ओवर में 296 रन पर ऑलआउट हो गया और मैच 41 रन से हार गया।भारत की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम 71 रन पर चार विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद नीतीश कुमार रेड्डी (53) और हर्षित राणा (52) ने अर्धशतक जमाए, लेकिन बल्लेबाजों के लिए अनुकूल पिच और छोटे मैदान के बावजूद भारत लक्ष्य से काफी पीछे रह गया। सीरीज हारने के बाद गिल ने कहा, 'पहला मैच जीतने के बाद सीरीज 1-1 थी, ऐसे में यहां आकर जिस तरह हमने खेला, उससे हम निराश हैं। कई ऐसे क्षेत्र हैं जिन पर हमें पीछे मुड़कर देखने, आत्ममंथन करने और बेहतर करने की जरूरत है।'इस दौरान गिल ने विराट कोहली की तारीफ की। उन्होंने आगे कहा, 'विराट जिस तरह बल्लेबाजी कर रहे हैं, वह हमेशा हमारे लिए बड़ा प्लस है। वहीं हर्षित ने जिस तरह नंबर 8 पर बल्लेबाजी की, वह आसान नहीं होता। उन्होंने जिस तरह जिम्मेदारी निभाई, वह काबिल-ए-तारीफ है। इसके अलावा हमारे तेज गेंदबाजों का प्रदर्शन भी इस सीरीज में अच्छा रहा।' नीतीश कुमार रेड्डी को लेकर गिल ने कहा, 'विश्व कप को ध्यान में रखते हुए हम उन्हें मौके देना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि उन्हें पर्याप्त ओवर मिलें ताकि हम यह समझ सकें कि हमारे लिए कौन से कॉम्बिनेशन और कौन सी गेंदें उनके लिए सबसे बेहतर काम करती हैं।' गिल की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब दूसरे वनडे में हार के बाद भारतीय सहायक कोच रयान टेन डोशेट ने स्वीकार किया था कि नितीश को जो मौके दिए जा रहे हैं, उनमें वह खेल में ज्यादा प्रभाव नहीं डाल पा रहे हैं।

सेनेगल बना अफ्रीका कप का विजेता, लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड्स की मेजबानी को तैयार मैड्रिड

नई दिल्ली (एजेन्सी)।सेनेगल ने पेप गुये के अतिरिक्त समय में किए गए गोल की मदद से मेजबान मोरक्को को 1-0 से हराकर अफ्रीका कप ऑफ नेशंस फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। वहीं, मैड्रिड लगातार तीसरे वर्ष 'लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड्स' की मेजबानी करेगा। आयोजकों ने सोमवार को यह घोषणा की।बेहद तनावपूर्ण परिस्थितियों में खेले गए फाइनल में दोनों टीम निर्धारित समय तक गोल नहीं कर पाई थी लेकिन आखिर में पेप गुये निर्णायक गोल करने में सफल रहे। फाइनल मैच में तनाव काफी बढ़ गया था। मैच के दौरान ऐसा समय भी आया जब दर्शकों ने मैदान पर घुसने की कोशिश की। यही नहीं सेनेगल के खिलाड़ी दूसरे हाफ के स्टॉपेज टाइम में पेनल्टी के फैसले के विरोध में मैदान से बाहर चले गए थे।यह स्पष्ट नहीं था कि खेल जारी रह पाएगा या नहीं क्योंकि प्रशंसक सुरक्षाकर्मियों से भिड़ गए थे। इसके कारण 14 मिनट तक खेल नहीं हो पाया था। खेल शुरू होने पर सेनेगल के एडुआर्ड मेंडी ने ब्राहिम डियाज़ की पेनल्टी को

आसानी से बचा लिया। इसके बाद गुये ने अतिरिक्त समय के चौथे मिनट में विजयी गोल दागा।मोरक्को की पराजय के कारण 69,500 दर्शकों की क्षमता वाला प्रिंस मौले अब्देललाह स्टेडियम अंतिम सीटी बजते ही खाली होने लग गया था। सेनेगल के खिलाड़ियों को ट्रॉफी उठाते हुए देखने के लिए बहुत कम लोग बचे थे। सेनेगल ने दूसरी बार अफ्रीका कप जीता। इससे पहले वह 2021 में चैंपियन बना था।पिछले साल की तरह यह पुरस्कार समारोह 20 अप्रैल को सिबेल्स पैलेस में आयोजित किया जाएगा। आयोजकों ने बयान में कहा, 'मैड्रिड ने 2024 में पहली बार लॉरियस पुरस्कारों की मेजबानी की थी और उसके बाद शहर को 'लॉरियस स्पोर्ट फॉर गुड' से बहुत फायदा हुआ।'बयान में कहा गया है, '2026 में होने वाले पुरस्कार समारोह में एक बार फिर खेलों से जुड़े दिग्गजों के साथ मनोरंजन, संस्कृति और फैशन जगत की कुछ बड़ी हस्तियां भी इसमें शामिल होंगी। सात प्रमुख श्रेणियों में से प्रत्येक में विजेता रहने वाले को प्रतिष्ठित लॉरियस प्रतिमा प्रदान की जाएगी।'मैड्रिड समुदाय की प्रमुख इसाबेल डियाज आयुसो ने कहा कि वह अपने शहर में खेलों से परिपूर्ण वर्ष की प्रतीक्षा कर रही हैं। उन्होंने कहा, मैड्रिड खेलों का हमेशा स्वागत करता रहा है क्योंकि यह उन साझा मूल्यों का प्रतिनिधित्व करता है जिससे हम सभी को लाभ होता है।' मैड्रिड के मेयर जोस लुइस मार्टिनेज अल्मेडा ने कहा, 'मैड्रिड को गर्व है कि लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड्स एक बार फिर यहां आयोजित किए जा रहे हैं। हम एक ऐसा शहर हैं जो खेल और खिलाड़ियों से प्यार करता है।'

एक ही दिन में दो बार होगी इंडिया व पाक की टक्कर

नई दिल्ली (एजेन्सी)।।इंडिया और पाकिस्तान मैच के लिए आप

जरूर एक्साइटेड होंगे। ये मैच 15 फरवरी को कोलंबो में खेला जाना है, लेकिन जब आपको ये पता चलेगा कि एक ही दिन दो बार इंडिया वर्सेस पाकिस्तान मैच आपको देखने को मिलेगा तो आपकी खुशी दो गुनी जरूर हो जाएगी। जी हां, ये सच है। इसका शेड्यूल भी अब कन्फर्म हो चुका है। दरअसल, 15 फरवरी को कोलंबो में इंडिया वर्सेस पाकिस्तान मैच टी20 विश्व कप में होगा और उसी दिन वुमेंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 में इंडिया ए और पाकिस्तान ए टीम के बीच मुकाबला होगा। हालांकि, भारत और पाकिस्तान की सीनियर टीमों के बीच रात को मुकाबला खेला जाएगा, लेकिन महिला टीमों के बीच मैच दोपहर को होना है।एशियन क्रिकेट काउंसिल यानी एसीसी ने वुमेंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 के शेड्यूल का ऐलान कर दिया है। टेस्ट प्लेइंग नेशन्स की ए टीमें इसमें हिस्सा लेंगी, जबकि एसोसिएट मेंबर्स की फुल टीमें हिस्सा लेंगी। भारत और पाकिस्तान को ग्रुप ए में रखा गया है, जिसमें यूएई और नेपाल की टीम भी शामिल है। ये टूर्नामेंट थाइलैंड के बैंकॉक में खेला जाएगा।इंडिया ए टीम पाकिस्तान की ए टीम से 15 फरवरी की लोकल (थाइलैंड) समय के अनुसार दोपहर को 2 बजे भिड़ेगी। उस समय इंडिया में दोपहर के ढाई बजे होंगे। वहीं, मेंस टी20 वर्ल्ड कप में इंडिया और पाकिस्तान का मैच शाम को 7 बजे से खेला जाएगा। श्रीलंका और इंडिया का टाइम एक ही है तो भारत में भी उसी समय आप उस मुकाबले को देख पाएंगे।हालांकि, फैंस के लिए अच्छी चीज ये है कि दोपहर को इंडिया ए वर्सेस पाकिस्तान ए और फिर इंडिया वर्सेस पाकिस्तान हाई वोल्टेज क्लैश देखने को मिलेगा। वुमेंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स का ये दूसरा सत्र है। जून 2025 में ये टूर्नामेंट खेला जाना था, लेकिन स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों की वजह से इसे पोस्टपोन कर दिया गया था। इस टूर्नामेंट में युवा खिलाड़ियों को बड़े मंच पर अपना जौहर दिखाने का मौका मिलेगा। भारतीय महिला टीम की उन सदस्यों को इसमें मौका मिलेगा, जो थोड़ी बहुत इंटरनेशनल क्रिकेट खेल चुकी हैं। WPL की अनकैप्ड स्टार प्लेयर्स को मौका मिलेगा।

कोहली ने शानदार पारी से दिखाया वह किस फॉर्म में हैं : राजकुमार

नई दिल्ली (एजेन्सी)। किंग कोहली को क्रिकेट के गुर सिखाने वाले कोच राजकुमार शर्मा ने उनकी जमकर तारीफ की है। शर्मा ने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में विराट कोहली ने अपना टॉप फॉर्म दिखाया और भारत के लिए शानदार पारी खेली। उन्होंने कहा कि बहुत सारे विकेट गिर गए इस वजह से टीम जीत से दूर रह गई।न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत करते हुए राजकुमार शर्मा ने कहा, 'उन्होंने कल एक शानदार पारी खेली और दिखाया कि वह किस तरह की फॉर्म में हैं। दुर्भाग्य से वह भारत के लिए मैच नहीं जीत सके क्योंकि बहुत विकेट गिर गए थे। जिस तरह से उन्होंने अपनी टीम और अपने देश के लिए खेला है वह काबिले तारीफ है।'विराट कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के तीसरे और निर्णायक मैच में 108 गेंदों पर 124 रन की शानदार पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 10 चौके और 3 छक्के जड़े। ये अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में किंग

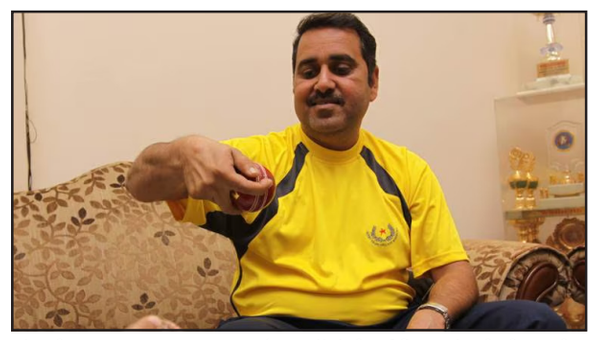

कोहली का 85वां शतक था और ओडीआई में 54वां। सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय शतकों के मामले में अब महान सचिन तेंदुलकर ही कोहली से आगे हैं। सचिन के नाम 100 अंतरराष्ट्रीय शतक हैं। वहीं एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में सबसे ज्यादा शतकों की बात करें तो विराट कोहली नंबर वन हैं। सचिन दूसरे नंबर पर हैं।रविवार को इंदौर में खेली गई विराट कोहली की शतकीय पारी न्यूजीलैंड के खिलाफ ओडीआई की 36 पारियों में उनकी ऐसी सातवीं पारी थी। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में किसी भी अन्य बल्लेबाज ने उनके बराबर 7 शतक नहीं लगाए हैं।

फर्स्ट क्लास क्रिकेट में पुष्पकुमारा का 'कोहराम'

नई दिल्ली (एजेन्सी)।फर्स्ट क्लास क्रिकेट में श्रीलंका के पूर्व टेस्ट क्रिकेट मलिंडा पुष्पकुमारा का कोहराम देखने को मिला है। श्रीलंका के इस पूर्व टेस्ट क्रिकेटर ने 1000

विकेट फर्स्ट क्लास क्रिकेट में झटककर दुनिया को हैरान कर दिया है। मलिंडा पुष्पकुमारा चौथे श्रीलंकाई क्रिकेटर बन गए हैं, जिन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेटर में 1000 या इससे ज्यादा विकेट लेने का करिश्मा किया है। वह श्रीलंका के उन दो क्रिकेटरों में भी शामिल हैं, जिन्होंने अकेले दम पर पूरी टीम को ऑलआउट किया हुआ है। ये उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में नहीं, बल्कि डोमेस्टिक फर्स्ट क्लास में ये कमाल किया था।कोल्ट्स क्रिकेट क्लब ग्राउंड पर मलिंडा पुष्पकुमारा फर्स्ट क्लास क्रिकेट मैच में 998 विकेट लेकर उतरे थे। बदुरेलिया स्पोर्ट्स क्लब के कप्तान गीत कुमारा ने टॉस जीता और पहले बैटिंग करने का फैसला किया। कप्तान ने 185 रन बनाकर अपनी टीम को 486 रन बनाने में मदद की, जिसमें चानुका दिलशान ने 5-81 विकेट लिए। मूर्स स्पोर्ट्स क्लब ने दूसरे दिन 159-4 के स्कोर पर मैच खत्म किया। इसी मैच में मलिंडा पुष्पकुमारा ने विवेक्टकी पर सोहन डिलिवेरा को आउट करने के बाद अपने फर्स्ट क्लास विकेटों की संख्या को 999 पर पहुंचाया। तीसरे दिन सुबह उन्होंने पासिंदू सूरियाबंदरा को बोल्ड किया और 1000 विकेटों का जादुई आंकड़ा छूआ।दूसरा विकेट निकालते ही मलिंडा पुष्पकुमारा 1000 फर्स्ट क्लास विकेटों तक पहुंच गए और वे ऐसा करने वाले श्रीलंका के चौथे स्पिनर बन गए। मलिंडा पुष्पकुमारा से पहले मुथैया मुरलीधरन (1,374), रंगना हेराथ (1,080), और दिनुका हेत्तियाराच्ची (1,001) ने ये कमाल किया हुआ है।

कोको गॉफ-अनिसिमोवा और मेदवेदेव दूसरे दौर में, सोफिया केनिन उलटफेर का शिकार

मेलबर्न (एजेन्सी)।तीसरी वरीयता प्राप्त कोको गॉफ को अपनी सर्विस पर कुछ परेशानी का सामना करना पड़ा, लेकिन इसके बावजूद वह अमांडा अनिमिसोवा और दानिल मेदवेदेव के साथ सोमवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंचने में सफल रही। गॉफ ने पहले दौर के मैच में कामिला रखिमोवा को सीधे सेटों में 6-2, 6-3 से पराजित किया।गॉफ ने दो ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं, लेकिन मेलबर्न पार्क में वह कभी सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई हैं। पिछले साल वह क्वार्टरफाइनल में बाहर हो गई थीं। अमेरिकी खिलाड़ी को फिर से डबल फॉल्ट की समस्या से जूझना पड़ा। दूसरे दौर में गॉफ का सामना ओल्गा डैनिलोविच से होगा। डैनिलोविच ने रविवार को पहले दौर के मैच में 45 वर्षीय वीनस विलियम्स को हराया था।महिला वर्ग के अन्य महत्वपूर्ण मैचों में विश्व रैंकिंग में चौथे नंबर की खिलाड़ी और पिछले दो ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाली अमांडा अनिसिमोवा ने सिमोना वाल्टरट को 6-3, 6-2 से, नंबर छह जेसिका पेगुला ने अनास्तासिया जखारोवा को 6-2, 6-1 से और नंबर 14 क्लारा टौसन ने डाल्मा गाल्फी को 6-3, 6-3 से हराया।इस बीच 27वीं वरीयता प्राप्त और 2020 की चैंपियन सोफिया केनिन का खराब प्रदर्शन जारी रहा। वह पहले दौर में हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी पेटन

स्टर्न्स से 6-3, 6-2 से हार गईं। स्टर्न्स का अगला मुकाबला क्रोएशिया की पेट्रा मार्किंको से होगा। एम्मा नवारो भी पोलैंड की मैग्डा लिनेट से तीन सेटों में हार गईं।पुरुषों के वर्ग में कनाडा की सातवीं वरीयता प्राप्त फेलिक्स औगर अलियासिमे ने पुर्तगाल के नूनो बोर्गेस के खिलाफ अपना मैच बीच में ही छोड़ दिया। दो घंटे से कुछ अधिक समय तक चले इस मैच में तब बोर्गेस 3-6, 6-4, 6-4 से आगे चल रहे थे। ऑस्ट्रेलियाई ओपन में तीन बार के उपविजेता दानिल मेदवेदेव ने जेस्पर डी जोंग को 7-5, 6-2, 7-6 (2) से हराकर ऑस्ट्रेलिया में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा। उन्होंने ब्रिस्बेन में खिताब जीता था। अमेरिका के 19वीं वरीयता प्राप्त टॉमी पॉल ने हमवतन अलेक्जेंडर कोवासेविच को 6-4, 6-3, 6-3 से हराकर रेली ओपेल्का और 13वीं वरीयता प्राप्त एंड्री रुबलेव के साथ अगले दौर में प्रवेश किया। छठी वरीयता प्राप्त स्थानीय खिलाड़ी एलेक्स मडी मिनौर ने मैकेन्जी मैकडोनाल्ड को 6-2, 6-2, 6-3 से हराया।

अरब सागर में उठ रहे खौलते पानी के बुलबुले, रहस्यमयी हलचल से गुजरात तट पर मचा हड़कंप, कुछ बड़ा होने की आशंका?

गुजरात।पालघर जिले के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि मछुआरों द्वारा रिकॉर्ड किए गए वीडियो में समुद्र के बड़े हिस्से में पानी में हलचल होनेऔर बुलबुले निकलते दिख रहा है। उनके अनुसार, ऐसा लगता है मानो पानी 'उबल' रहा हो। इस असामान्य गतिविधि ने क्षेत्र में आशंकाएं बढ़ा दी हैं।गुजरात तट से सटे अरब सागर के गहरे पानी में सोमवार को एक ऐसी हलचल देखी गई जिसने सबको स्तब्ध कर दिया है। पालघर जिले के आपदा प्रबंधन विभाग को मछुआरों से कुछ ऐसे वीडियो मिले हैं, जिनमें समुद्र का पानी किसी विशाल कड़ाही की तरह 'उबलता' हुआ दिखाई दे रहा है। मछुआरों के अनुसार, यह हलचल अचानक शुरू हुई और समुद्र के एक बड़े हिस्से को कवर कर लिया। पानी की सतह पर सफेद झाग और बड़े-बड़े बुलबुले उठ रहे थे, जो आमतौर पर पानी के नीचे भारी दबाव या गैस निकलने पर देखे जाते हैं।पालघर जिले के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि मछुआरों द्वारा रिकॉर्ड किए गए वीडियो में समुद्र के बड़े हिस्से में पानी में हलचल होनेऔर बुलबुले निकलते दिख रहा है। उनके अनुसार, ऐसा लगता है मानो पानी 'उबल' रहा हो। इस असामान्य

गतिविधि ने क्षेत्र में आशंकाएं बढ़ा दी हैं।पालघर जिला आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख विवेकानंद कदम ने इस घटना की गहन जांच की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "देखी गई हलचल अत्यंत असामान्य है और इस पर विशेष समुद्री तथा औद्योगिक एजेंसियों का तत्काल ध्यान देना आवश्यक है।" कदम ने बताया कि यह क्षेत्र समुद्री परिवहन मार्गों और मछली पकड़ने के प्रमुख इलाकों के करीब स्थित है। उन्होंने कहा कि ऐसे में आशंका जतायी जा रही है कि यह घटना समुद्र तल से गैस रिसाव, पानी के नीचे भू-वैज्ञानिक गतिविधियों या समुद्र के नीचे बिछी पाइपलाइनों से रिसाव के कारण हो सकती है।उन्होंने कहा कि जिला आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ इस बात का पता लगाने के लिए समुद्री प्राधिकरणों के साथ समन्वय कर रहा है कि यह हलचल प्राकृतिक भू-वैज्ञानिक बदलावों का नतीजा है या किसी मानव-जनित औद्योगिक घटना का संकेत है। अधिकारी ने बताया कि एहतियात के तौर पर उक्त जगह के आसपास से गुजरने वाले जहाजों और मछली पकड़ने वाली नौकाओं को अत्यधिक सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है।पालघर जिला आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख विवेकानंद कदम ने इस पर चिंता जताते हुए जांच के लिए तीन प्रमुख थ्योरी दी हैं:गैस रिसाव (उँ थ्रँु): समुद्र के नीचे प्राकृतिक गैस के भंडार हो सकते हैं, जहां से रिसाव के कारण पानी में बुलबुले उठ रहे हों।

पाइपलाइन में खराबी: इस क्षेत्र में तेल और गैस कंपनियों (जैसे ध्न्उण) की कई अंडरवॉटर पाइपलाइनें बिछी हुई हैं। आशंका है कि किसी पाइपलाइन में दरार आने से यह दबाव बन रहा हो।

भू-वैज्ञानिक गतिविधियां (ळर्ह्रा उादत्दुर्ग्म्ूीन्ूब): समुद्र तल के नीचे भूकंपीय हलचल या ज्वालामुखी जैसी गतिविधियों के कारण भी पानी का तापमान और दबाव बदल सकता है।सबमरीन गैस लीक (ळर्ह्रा उँ थ्र्): सबसे बड़ी आशंका समुद्र के नीचे बिछी प्राकृतिक गैस की पाइपलाइनों में रिसाव की है। इस क्षेत्र में ध्न्उण जैसी कंपनियों का बड़ा नेटवर्क है। अगर यह रिसाव है, तो यह आग लगने या बड़े विस्फोट का कारण बन सकता है।मीथेन उत्सर्जन (शूर्प्हा र्ण्र्ीप्): वैज्ञानिकों का मानना है कि समुद्र तल के नीचे जमा मीथेन गैस कभी-कभी भूगर्भीय दबाव के कारण बाहर निकलने लगती है, जिससे पानी 'उबलता' हुआ प्रतीत होता है।ज्वालामुखी या विवर्तनिक गतिविधि (ऊाम्दहर्ग्म्ूीन्ूब): क्या समुद्र के नीचे कोई छोटा ज्वालामुखी सक्रिय हो रहा है? या फिर समुद्र तल की प्लेटों में कोई दरार आई है? पालघर जिला आपदा प्रबंधन प्रमुख विवेकानंद कदम ने इन भू-वैज्ञानिक बदलावों की जांच की मांग की है।औद्योगिक अपशिष्ट (घ्ह्र्ीत अेर्म्पु): एक संभावना यह भी है कि किसी बड़े जहाज या तटीय कंपनी ने भारी मात्रा में रसायनिक दबाव छोड़ा हो, हालांकि बुलबुलों की तीव्रता इसे कम संभावित बनाती है।जहाजों के लिए अलर्ट: पालघर और गुजरात तट के बीच से गुजरने वाले सभी व्यापारिक जहाजों और नौकाओं को इस 'हॉटस्पॉट' से दूर रहने को कहा गया है।एजेंसियों की जांच: समुद्री सुरक्षा एजेंसियां और तटरक्षक बल (र्ण्ू उर्ल्) इस बात का पता लगा रहे हैं कि क्या उस क्षेत्र में किसी पाइपलाइन का दबाव कम हुआ है।

'राष्ट्रगान का अपमान बर्दाश्त नहीं', तमिलनाडु विधानसभा में भारी ड्रामा, राज्यपाल आर.एन. रवि का वॉकआउट

तमिलनाडु ।तमिलनाडु की राजनीति में मंगलवार को उस समय हड़कंप मच गया जब राज्यपाल आर.एन. रवि साल के पहले सत्र के उद्घाटन पर अपना पारंपरिक अभिभाषण बीच में ही छोड़कर सदन से बाहर निकल गए।तमिलनाडु की राजनीति में मंगलवार को उस समय हड़कंप मच गया जब राज्यपाल आर.एन. रवि साल के पहले सत्र के उद्घाटन पर अपना पारंपरिक अभिभाषण बीच में ही छोड़कर सदन से बाहर निकल गए। राज्यपाल ने न केवल भाषण पढ़ने से इनकार किया, बल्कि राज्य सरकार और विधानसभा अध्यक्ष पर गंभीर आरोप भी लगाए। गवर्नर रवि ने राज्य विधानसभा में कहा, 'मेरा माइक बंद कर दिया गया था, मेरा अपमान किया गया और मुझे बोलने नहीं दिया गया।'

विधानसभा में अपने संक्षिप्त संबोधन के दौरान राज्यपाल रवि ने गहरी निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा: 'मैं बहुत निराश हूँ। राष्ट्रगान को वह सम्मान नहीं दिया गया जिसका वह हकदार है। इसे उचित सम्मान मिलना ही चाहिए।'

दरअसल, राज्यपाल की मांग थी कि सत्र की शुरुआत में 'तमिल गान' (तमिल थाई वज़्थु) के तुरंत बाद राष्ट्रगान बजाया जाना चाहिए। जब स्पीकर एम. अप्पावु ने उनकी इस मांग को ठुकरा दिया, तो राज्यपाल ने अपना विरोध दर्ज कराते हुए सदन का परित्याग कर दिया। यह तीसरी बार है जब उन्होंने पिछले दो सालों से पारंपरिक भाषण न देने के बाद वॉकआउट किया है।

साल 2024, 2025 में भी गवर्नर ने असेंबली में भाषण नहीं दिया। पिछले साल, उन्होंने असेंबली से वॉकआउट किया था क्योंकि उनके भाषण की शुरुआत में राष्ट्रगान नहीं बजाया गया था।

लोक भवन, तमिलनाडु ने बाद में एक प्रेस रिलीज़ जारी कर बताया कि गवर्नर आरएन रवि अपने उद्घाटन भाषण देने से पहले असेंबली से बाहर क्यों चले गए।

रिलीज़ में कहा गया है, 'गवर्नर का माइक बार-बार बंद कर दिया गया, और उन्हें बोलने नहीं दिया गया... दलितों के खिलाफ अत्याचार और दलित महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा तेजी से बढ़ रही है। हालांकि, भाषण में इसे पूरी तरह से नज़रअंदाज़ किया गया है... राष्ट्रगान का एक बार फिर अपमान किया गया है, और मौलिक संवैधानिक कर्तव्य की अनदेखी की गई है।'इस बीच, अलग से, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने तमिलनाडु के स्पीकर को जन्मदिन की शुभकामनाएं भेजीं। बिरला नें पर पोस्ट किया, 'तमिलनाडु विधानसभा के स्पीकर श्री एम. अप्पावु को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आपको अच्छे स्वास्थ्य, खुशी और लंबी उम्र का आशीर्वाद मिले।'

सबरीमाला सोना चोरी मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई, तीन राज्यों में 21 ठिकानों पर छापेमारी

गुजरात।ऐसा माना जा रहा है कि संघीय जांच एजेंसी बेंगलुरु में मुख्य आरोपी उननेकृष्णन पोट्टी और त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) के पूर्व अध्यक्ष ए पद्मकुमार से जुड़े परिसरों की तलाशी ले रही है। ईडी ने हाल ही में केरल पुलिस की प्राथमिकी का संज्ञान लेते हुए पीएमएलए के तहत एक मामला दर्ज किया था।सबरीमाला मंदिर में सोने की चोरी और उससे जुड़े धन शोधन (श्दहार्ब्थ्ल्हीग्हु) के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (उ्) ने मंगलवार को एक साथ तीन राज्यों में छापेमारी कर हड़कंप मचा दिया। जांच एजेंसी ने केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु के लगभग 21 स्थानों पर धन शोधन निवारण अधिनियम (इर्थ्) के तहत यह तलाशी अभियान चलाया है।

ऐसा माना जा रहा है कि संघीय जांच एजेंसी बेंगलुरु में मुख्य आरोपी उननेकृष्णन पोट्टी और त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) के पूर्व अध्यक्ष ए पद्मकुमार से जुड़े परिसरों की तलाशी ले रही है। ईडी ने हाल ही में केरल पुलिस की प्राथमिकी का संज्ञान लेते हुए

पीएमएलए के तहत एक मामला दर्ज किया था। राजनीतिक रूप से संवेदनशील इस मामले की जांच केरल उच्च न्यायालय की देखरेख में राज्य के विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा पहले से ही की जा रही है। यह जांच कई अनियमितताओं से संबंधित है, जिनमें आधिकारिक कदाचार, प्रशासनिक चूक और भगवान अयप्पा मंदिर की विभिनन्न कलाकृतियों से सोना चोरी करने की आपराधिक साजिश शामिल है।

यह मामला भगवान अयप्पा के प्रसिद्ध सबरीमाला मंदिर की विभिनन्न कलाकृतियों और आभूषणों से सोना चोरी करने की एक गहरी आपराधिक साजिश से संबंधित है। इसमें शामिल अनियमितताओं के मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं:

शुरुआत में इस मामले की जांच केरल पुलिस की प्राथमिकी (इ्दिं) के आधार पर शुरू हुई थी। वर्तमान में, केरल उच्च न्यायालय की देखरेख में राज्य के विशेष जांच दल (एघ्ऊ) द्वारा इसकी जांच की जा रही है।

पश्चिम बंगाल जीतने का बीजेपी का नया प्लान, सुनील बंसल की अगुवाई में ये दिग्गज नेता संभालेंगे चुनावी कमान

कोलकाता।उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री सुरेश राणा, हरियाणा भाजपा के महासचिव संजय भाटिया और कर्नाटक के पूर्व मंत्री सी टी रवि शामिल हैं। चूंकि ये नेता मुख्य रूप से हिंदी बोलते है, इसलिए उनके साथ स्थानीय नेता भी होते हैं जो जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं और लोगों से बातचीत के दौरान अनुवाद में मदद करते हैं। बंगाल में तैनाती के बाद से, इन नेताओं ने मंडल, विधानसभा और जिला इकाइयों में पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठकें की हैं।पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा अपनी व्यवस्था को मजबूत करने में जुटी है और इसके लिए उसने अन्य राज्यों के कई अनुभवी नेताओं को चुनाव की तैयारियों में शामिल किया है। पिछले एक महीने में भाजपा ने अन्य राज्यों के कई अनुभवी वरिष्ठ नेताओं (प्रवासी सदस्य) को बंगाल इकाई में मंडल से लेकर जिला स्तर तक आंतरिक मतभेदों को सुलझाने और चुनाव की तैयारियों का प्रबंधन करने के लिए नियुक्त किया है। इन प्रवासी सदस्यों में उत्तर प्रदेश के मंत्री जेपी एस राठौर, उत्तराखंड के मंत्री धन सिंह रावत, राजस्थान भाजपा किसान मोर्चा के अध्यक्ष कैलाश चौधरी, उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री सुरेश राणा, हरियाणा भाजपा के महासचिव संजय भाटिया और कर्नाटक के पूर्व मंत्री सी टी रवि शामिल हैं। चूंकि ये नेता मुख्य रूप से हिंदी बोलते हैं, इसलिए उनके साथ स्थानीय नेता भी होते हैं जो जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं और लोगों से बातचीत के दौरान अनुवाद में मदद करते हैं। बंगाल में तैनाती के बाद से, इन नेताओं ने मंडल, विधानसभा और जिला इकाइयों में पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठकें की हैं।राठौर, जिन्हें 2017 और 2022 के यूपी विधानसभा

चुनावों और 2019 के लोकसभा चुनावों के प्रबंधन का अनुभव है, को पश्चिम बंगाल की 35 विधानसभा सीटें सौंपी गई हैं। उनके अधीन पूर्वी मेदिनीपुर जिले के कोंटाई और तामलुक तथा पश्चिमी मेदिनीपुर जिले के घाटाल और मेदिनीपुर शहर आते हैं। राणा उत्तर 24 परगना जिले के बैरकपुर, बारासात और बोंगाँव की देखरेख कर रहे हैं। राणा पश्चिमी यूपी के शामली जिले से हैं और उन्होंने हरियाणा, दिल्ली, त्रिपुरा और मध्य प्रदेश में पार्टी के चुनावी प्रयासों का नेतृत्व किया है। उनके पास 28 विधानसभा क्षेत्रों की जिम्मेदारी है और हाल ही में उन्होंने संदेशखाली का दौरा किया, जहां 2024 में स्थानीय टीएमसी नेताओं पर यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद एक बड़ा राजनीतिक विवाद हुआ था। भाटिया को आरामबाग उपमंडल और श्रीरामपुर सहित हुगली जिला और हावड़ा शहर सौंपा गया है, जबकि चौधरी को कूच बिहार, जलपाईगुड़ी, सिलीगुड़ी और उत्तरी बंगाल के अन्य जिलों में पार्टी की तैयारियों की निगरानी का जिम्मा दिया गया है। ये सभी नेता राज्य के प्रभारी भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल को रिपोर्ट करते हैं।अपने-अपने राज्यों के अनुभव के आधार पर हम राजनीतिक और संगठनात्मक प्रबंधन की देखरेख कर रहे हैं। हम संगठनात्मक अभियानों और कार्यक्रमों का भी ध्यान रख रहे है और उन मतदान केंद्रों में अपनी पहुंच बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं जहां हमारी पकड़ कमजोर है। हालांकि, हमारा मुख्य ध्यान स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच मतभेदों को सुलझाने पर है। इस महीने की शुरुआत में पार्टी के राज्य स्तरीय नेताओं के साथ हुई बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विधानसभा चुनावों से पहले सभी मतभेदों को भुलाने का निर्देश दिया था।

30 जनवरी को बीजेपी का मेयर तय, शिंदे गुट को नहीं मिलेगा पद?

मुबई।विपक्षी दल की ओर से उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) को 65 सीटें मिली हैं। उसने राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा था, जिसे केवल छह सीटें ही मिल सकीं। कांग्रेस ने 24 सीटें जीतीं, जबकि शरद पवार की एनसीपी (एसपी) को सिर्फ एक सीट मिली। इन सभी पाटिर्यों को मिलाकर भी कुल 96 सीटें मिली हैं, जो बहुमत के लिए आवश्यक सीमा से काफी कम हैं।बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) में 30 जनवरी को महापौर चुनाव हो सकते हैं। इस चुनाव के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को नया महापौर मिलने की संभावना है। सूत्रों से यह भी संकेत मिलता है कि भाजपा शिंदे गुट को महापौर पद की पेशकश नहीं करेगी। बीएमसी आयुक्त महापौर चुनाव का औपचारिक कार्यक्रम घोषित करेंगे। इसमें महापौर के चुनाव के लिए श्रेणी तय करने हेतु लॉटरी निकाली जाएगी,

जिसके बाद महापौर और उप महापौर दोनों के लिए मतदान होगा। बीएमसी में भाजपा और शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना की संयुक्त शक्ति 118 पार्षदों की है, जो बहुमत के लिए आवश्यक 114 सीटों से चार अधिक है। अजीत पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी), जिसके पास तीन सीटें हैं और जो महायुति गठबंधन का हिस्सा है, के समर्थन से यह संख्या बढ़कर 121 हो जाती है, जिससे सत्तारूढ़ गठबंधन की स्थिति और मजबूत हो जाती है।विपक्षी दल की ओर से उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) को 65 सीटें मिली हैं। उसने राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा था, जिसे केवल छह सीटें ही मिल सकीं। कांग्रेस ने 24 सीटें जीतीं, जबकि शरद पवार की एनसीपी (एसपी) को सिर्फ एक सीट मिली। इन सभी पाटिर्यों को मिलाकर भी कुल 96 सीटें मिली हैं, जो बहुमत के लिए आवश्यक सीमा से काफी कम हैं।शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और एनसीपी (एसपी) महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के घटक दल हैं, लेकिन कांग्रेस और एनसीपी (एसपी) ने बीएमसी चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ने का विकल्प चुना। शिवसेना (यूबीटी) ने कांग्रेस को एमएनएस के साथ गठबंधन में शामिल होने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप एक खंडित विपक्षी मोर्चा बन गया।

डिक्सन प्लान' पर महबूबा मुफ्ती का पलटवार, बोलीं- यह पीडीपी नहीं, एनसी का एजेंडा है

जम्मू।पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने 'डिक्सन प्लान' विवाद से अपनी पार्टी को अलग करते हुए इसे नेशनल कॉन्फ्रेंस का एजेंडा बताया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह पीर पंजाल और चेनाब घाटी के लिए प्रशासनिक सुगमता हेतु संभागीय दर्जे की मांग कर रही थीं, न कि जम्मू-कश्मीर के विभाजन की।पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने जम्मू के पीर पंजाल और चेनाब घाटी क्षेत्रों के संभागीय दर्जे से जुड़े अपने बयान पर हालिया विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए पीडीपी (पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी) को 'डिक्सन प्लान' से अलग कर दिया। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, मुफ्ती ने नेशनल कॉन्फ्रेंस पार्टी के नेता फारूक अब्दुल्ला पर भी निशाना साधते हुए दावा किया कि उनके पिता, जम्मू और कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री शेख अब्दुल्ला को 'डिक्सन प्लान के कारण गिरफ्तार किया गया था, इसलिए यह नेशनल कॉन्फ्रेंस का एजेंडा है, पीडीपी का नहीं।'

पीर पंजाल और चेनाब घाटी के संभागीय दर्जे से संबंधित अपने बयान को स्पष्ट करते हुए मुफ्ती ने कहा कि मैं प्रशासन की बात कर रही थी, मैंने डिक्सन प्लान का जिक्र नहीं किया। अपने बयान के समर्थन में अपने पिता की विचारधारा का हवाला देते हुए उन्होंने

कहा, 'मुफ्ती साहब ने अपना पूरा जीवन जम्मू और कश्मीर को एकजुट रखने के प्रयास में बिताया।' उन्होंने कहा कि पीडीपी जम्मू-कश्मीर का विभाजन नहीं चाहती, और वह इन जिलों के लिए संभागीय प्रशासन की मांग कर रही थीं क्योंकि ये जिले दूर स्थित हैं, जिससे स्थानीय लोगों के लिए अपनी शिकायतें अधिकारियों तक पहुंचाना मुश्किल हो जाता है।

डिक्सन योजना, संयुक्त राष्ट्र के मध्यस्थ सर ओवेन डिक्सन द्वारा 1950 में दिए गए एक प्रस्ताव को संदर्भित करती है, जिसमें जम्मू-कश्मीर को विभाजित करने, लद्दाख को भारत को सौंपने, उत्तरी क्षेत्रों/पीओके को पाकिस्तान को सौंपने और संयुक्त राष्ट्र की देखरेख में कश्मीर घाटी में जनमत संग्रह (मतदान) कराने का सुझाव दिया गया था। भारत ने इसे अस्वीकार कर दिया था। महबूबा मुफ्ती ने कश्मीरी पंडितों की जम्मू-कश्मीर वापसी का स्वागत करते हुए कहा, 'हम चाहते हैं कि वे वापस आएं।' उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि उन्होंने पहले राज्य विधानसभा में कश्मीरी पंडितों के लिए दो सीटें आरक्षित करने का अनुरोध किया था।कश्मीरी पंडितों के पलायन के बारे में पूछे गए एक प्रशन्न के उत्तर में उन्होंने कहा, 'उन्हें वापस आना चाहिए, हम चाहते हैं कि वे वापस आएं।' उन्होंने आगे कहा कि चुनावों में उनके लिए आरक्षित दो सीटें उनके और कश्मीरी मुसलमानों के बीच मेलजोल को बढ़ावा देंगी, जिससे उनके संबंध बेहतर होंगे।

रायबरेली से राहुल गांधी की हुंकार, मनरेगा कानून बदलकर पीएम मोदी छीन रहे गरीबों का हक'

नई दिल्ली।लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मनरेगा अधिनियम को रद्द करने पर पीएम मोदी पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि सरकार गरीबों को भूखा मरने के लिए छोड़कर सत्ता नौकरशाही को सौंपना चाहती है। इसके विरोध में कांग्रेस ने देशव्यापी 'मनरेगा बचाओ अभियान' शुरू किया है।लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने

एमजीएनआरईजीए अधिनियम को निरस्त करने के फैसले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए उन पर गरीबों की बजाय नौकरशाहों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। एमजीएनआरईजीए अधिनियम को निरस्त करने के मुद्दे पर मीडिया से बात करते हुए राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सत्ता का केंद्रीकरण करके उसे नौकरशाही के हाथों में सौंपने और गरीब नागरिकों को भूखा मरने के लिए छोड़ने का आरोप लगाया।राहुल गांधी कहा कि एमजीएनआरईजीए का उद्देश्य आर्थिक जिम्मेदारी लेना और बेरोजगार ग्रामीण नागरिकों को न्यूनतम मजदूरी प्रदान करना था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसा नहीं चाहते; वे सत्ता का केंद्रीकरण करके उसे नौकरशाही के हाथों में सौंपना चाहते हैं और गरीब नागरिकों को भूखा मरने के लिए छोड़ देना चाहते हैं। अधिनियम में संशोधन के साथ ही गरीबों का संरक्षण समाप्त हो गया है। इसलिए कांग्रेस देशव्यापी एमजीएनआरईजीए बचाओ अभियान चला रही है... प्रधानमंत्री चाहते है कि पूरे देश की अर्थव्यवस्था अंबानी और अडानी के हाथों में चली जाए, जबकि हम गरीबों की मदद करने की कोशिश कर रहे हैं।राहुल गांधी ने संशोधित वीबी-जी राम-जी अधिनियम से महात्मा गांधी का नाम हटाए जाने की भी निंदा की। कांग्रेस सांसद ने आज राजीव गांधी क्रिकेट स्टेडियम में यूथ स्पोर्ट्स एकेडमी रायबरेली द्वारा आयोजित रायबरेली प्रीमियर लीग का उद्घाटन किया। कांग्रेस सांसद महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) को रद्द किए जाने के विरोध में जनसभा को संबोधित करने और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात करने के लिए अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली के दो दिवसीय दौरे पर हैं।आज बाद में, गांधी उन्चाहार के रोहानिया में एक 'एमजीएनआरईजीए चौपाल' (सामुदायिक सभा) आयोजित करेंगे।

बीजेपी संग गठबंधन की अटकलों पर ओवैसी का फुल स्टाप, कहा- 'हमारा रास्ता बिल्कुल अलग है'

मुबई।महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव में अपनी पार्टी की महत्वपूर्ण जीत के बाद, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भाजपा के साथ किसी भी गठबंधन की संभावना को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने 'दो किनारे कभी नहीं मिल सकते' कहकर अपनी पार्टी के वैचारिक रुख को स्पष्ट किया और भाजपा से हाथ मिलाने की कोशिश करने वाले पार्षदों के खिलाफ की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई पर जोर दिया।ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (ँछ्घ्छ्ष) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार को महाराष्ट्र नगर निगम चुनावों में अपनी पार्टी के शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय जनता पार्टी (ँव्ह) के साथ गठबंधन की किसी भी संभावना से इनकार करते हुए कहा कि समुद्र के दो किनारे कभी नहीं मिल सकते।ँ्द को दिए एक विशेष साक्षात्कार में ओवैसी ने अकोट में हुई हालिया घटना का जिक्र किया, जिसमें ँछ्घ्छ्ष पार्षदों ने ँव्ह के साथ गठबंधन करने की कोशिश की थी। उन्होंने बताया कि

अकोट में ँछ्घ्छ्ष के पांच पार्षदों ने चुनाव जीता था और पार्टी ने उन्हें पहले ही चेतावनी दे दी थी।ओवैसी ने कहा कि शुरुआत में पार्षदों ने दावा किया कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि जिस समूह में वे शामिल हुए हैं वह ँव्ह से जुड़ा हुआ है। ओवैसी ने बताया कि इसके बाद पार्टी ने उन्हें तुरंत नगर आयुक्त को पत्र लिखकर अपना समर्थन वापस लेने का निर्देश दिया। उन्होंने आगे कहा कि बाद में यह बात सामने आई कि भाजपा नेता के बेटे को सह-विकल्प के माध्यम से पार्टी में शामिल किया गया था, जिसके बाद इम्तियाज जलील ने पार्षदों को पार्टी से निलंबित कर दिया। ओवैसी ने स्पष्ट किया कि एआईएमआईएम प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों से गठबंधन करने वाले किसी भी सदस्य के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी।उन्होंने कहा कि यह पता चला कि जब भाजपा नेता के बेटे को सह-विकल्प के माध्यम से पार्टी में शामिल किया गया, तो इम्तियाज जलील ने उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया। चाहे भाजपा हो, एकनाथ शिंदे हों या अजीत पवार, अगर वे उनके साथ जाते हैं, तो पार्टी उनके खिलाफ कार्रवाई करेगी। महाराष्ट्र नगर निगम चुनावों में एआईएमआईएम के प्रदर्शन पर प्रकाश डालते हुए, ओवैसी ने कहा कि पार्टी ने हाल के चुनावों में 125 सीटें और लगभग एक महीने पहले हुए नगर निगम चुनावों में लगभग 85 सीटें जीती थीं। उन्होंने आगे कहा कि एआईएमआईएम के पास अब राज्य भर की नगर परिषदों और नगर निगमों में 200 से अधिक पार्षद हैं।ओवैसी ने कहा कि इस बार हमने 125 सीटें जीती हैं। लगभग एक महीने पहले हुए नगर निगम चुनावों में हमारे लगभग 85 उम्मीदवार विजयी हुए थे। नगर परिषदों और नगर निगमों को मिलाकर देखें तो अब तक हमारे 200 से अधिक पार्षद विजयी हो चुके हैं। अगर कोई पार्टी चुनाव नहीं जीत पाती है, तो स्पष्ट है कि उस पार्टी में कुछ कमियां हैं। हम वर्षों से जमीनी स्तर पर लगातार काम कर रहे हैं। हाल ही में संपनन्न हुए महाराष्ट्र नगर निकाय चुनावों में एआईएमआईएम ने महत्वपूर्ण बढ़त दर्ज की, पिछले चुनावों की तुलना में अधिक सीटें जीतीं और बृहन्मुंबई नगर निगम चुनावों में आठ सीटें हासिल कीं।

चिली में जंगल में भीषण आग से 18 लोगों की मौत, घर छोड़कर भागने को मजबूर हुए हजारों लोग

पेन्को (एजेन्सी)।चिली के मध्य और दक्षिणी हिस्सों में जंगल में लगी आग में 18 लोगों की मौत हो गई। हजारों एकड़ जंगल जल गए और कई घर नष्ट हो गए। यह दक्षिण अमेरिकी देश इस समय भीषण गर्मी की लहर से जूझ रहा है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रपति गैब्रियल बोरिक ने राजधानी सैंटियागो से करीब 500 किलोमीटर दक्षिण में स्थित सेंट्रल बायोबियो और पड़ोसी नुबले क्षेत्र में आपात स्थिति की घोषणा की। चिली के सुरक्षा मंत्री लुइस कॉर्डेरो ने बताया कि आपात स्थिति की घोषणा से सेना के साथ बेहतर तालमेल करना आसान हो जाता है। बायोबियो और नुबले में अब तक लगभग 8,500 हेक्टेयर जंगल आग से जल चुके हैं और करीब 50 हजार लोग सुरक्षित जगहों पर चले गए हैं।राष्ट्रपति बोरिक ने एक्स पर लिखा, सभी संसाधन उपलब्ध हैं। लेकिन स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि रविवार को कई घंटों तक हर तरफ तबाही थी और केंद्र सरकार की मदद कहीं नहीं थी। बायोबियो क्षेत्र के छोटे तटीय शहर पेन्को के महापौर रोड्रिगो वेरा ने कहा, प्रिय राष्ट्रपति बोरिक, मैं यहां चार घंटे से हूं, एक पूरा समुदाय जल रहा है और सरकार की कोई मौजूदगी नहीं है। एक मंत्री केवल मुझे फोन करके कह सकता है कि सेना किसी समय आएगी?आग बुझाने में दमकलकर्मी संघर्ष कर रहे थे। लेकिन तेज हवा और भीषण गर्मी ने रविवार को उनकी कोशिशों को रोक दिया। तापमान 38 डिग्री सेल्सियस (100 डिग्री फारेनहाइट) से ऊपर पहुंच गया।

स्थानीय लोगों ने बताया कि आग आधी रात के बाद अचानक फैल गई, जिससे वे अपने घरों में फंस गए।पेन्को मेंजॉन गुस्मान (55 वर्षीय) कहते हैं, कई लोग नहीं भागे। वे अपने घरों में रहे क्योंकि वे सोच रहे थे कि आग जंगल की सीमा पर रुक जाएगी। यह पूरी तरह से नियंत्रण से बाहर थी। किसी ने भी इसकी उम्मीद नहीं की थी। देशभर में आगजनी से कितने घर जल चुके हैं, इसका अभी तक स्पष्ट आंकड़ा नहीं है। बायोबियो के कॉन्सेप्सियन नगरपालिका ने बताया कि वहां 253 घर जलकर नष्ट हो गए। पेन्को में 52 वर्षीय जुआन लागोस ने बताया, हम अंधेरे में बच्चों को लेकर दौड़ते हुए भागे। आग ने शहर का अधिकांश हिस्सा जला दिया, कारें, एक स्कूल और एक चर्च भी जल गया। खेतों, घरों, सड़कों और कारों में जले हुए शव पाए गए।

देउबा गुट की 'सुप्रीम' फैसला आने तक चुनाव प्रक्रिया पर रोक की मांग

काठमांडो (एजेन्सी)।नेपाली कांग्रेस के भीतर जारी विवाद को लेकर पार्टी अध्यक्ष शेरबहादुर देउबा पक्ष सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है। इस बीच, देउबा पक्ष ने निर्वाचन आयोग से सुप्रीम कोर्ट से अंतिम फैसला आने तक प्रतिनिधि सभा चुनाव के नामांकन कार्यक्रम को स्थगित करने की मांग भी की है।आयोग के एक निर्णय के खिलाफ रविवार को सुप्रीम कोर्ट में रिट याचिका दायर करने के तुरंत बाद देउबा पक्ष ने चुनावी कार्य तालिका पर रोक लगाने का अनुरोध करते हुए अलग से आवेदन जमा कराया। पार्टी कार्यालय के मुख्य सचिव कृष्ण प्रसाद पौडेल, पूर्व महान्यायाधिवक्ता खम्बाबहादुर खाती और अधिवक्ता केशवराज जोशी ने आयोग में आवेदन दर्ज कराए।आवेदन में कहा गया है कि कांग्रेस की आधिकारिकता से जुड़ा मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है और जब तक उस पर अंतिम निर्णय नहीं हो जाता तब तक नामांकन सहित सभी चुनावी गतिविधियों को आगे बढ़ाना उचित नहीं होगा। नेपाल में 5 मार्च को होने वाले आम चुनाव के लिए रविवार की मध्य रात्रि से आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। अधिकारियों ने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और तटस्थ मतदान का माहौल सुनिश्चित करने के लिए रविवार को चुनाव आयोग की बैठक में आचार संहिता लागू करना का फैसला किया गया। पिछले साल छात्रों के आंदोलन के बाद पीएम केपी शर्मा ओली ने 9 सितंबर को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

गेहूं के आटे के निर्यातकों को बड़ी राहत

सरकार ने पांच लाख टन शिपमेंट को दी मंजूरी, 21 से डलेंगे आवेदन

नई दिल्ली (एजेन्सी)।गेहूं उत्पादक किसानों और निर्यातकों के लिए एक बड़ी खबर है। भारत सरकार ने गेहूं के आटे और संबंधित उत्पादों के निर्यात पर लगी रोक में महत्वपूर्ण ढील दी है। सरकार ने एक अधिसूचना जारी कर पांच लाख टन गेहूं के आटे के निर्यात की अनुमति दे दी है। यह फैसला उद्योग के लिए एक बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि केंद्र सरकार ने 2022 में घरेलू कीमतों को नियंत्रित करने और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। तीन साल से अधिक के अंतराल के बाद, यह प्रतिबंधों में पहली बड़ी ढील है। भारत, जो इस कमोडिटी का एक प्रमुख उत्पादक है, अब वैश्विक बाजार में अपनी सीमित उपस्थिति फिर से दर्ज करा सकेगा। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की ओर से 16 जनवरी को जारी अधिसूचना के अनुसार, गेहूं के आटे और संबंधित उत्पादों का निर्यात सामान्य रूप से प्रतिबंधित श्रेणी में ही रहेगा। हालांकि, मौजूदा नीतिगत शर्तों से ऊपर उठते हुए, सरकार ने विशिष्ट रूप से 5 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) तक के निर्यात की अनुमति दी है। इस कोटे का लाभ उठाने के लिए निर्यातकों को महानिदेशालय से अनुमति लेनी होगी और इसके लिए एक निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन करना होगा। यह कदम रबी सीजन की प्रमुख फसल गेहूं की बुवाई के बाद आया है, जो अक्तूबर के अंत से नवंबर तक चलती है।

गिरावट के साथ बंद हुआ बाजार; सेंसेक्स 324 अंक टूटा, निफ्टी 25600 के नीचे

नई दिल्ली (एजेन्सी)।भारतीय शेयर बाजार सोमवार को लाल निशान पर बंद हुआ। वैश्विक टैरिफ संबंधी अनिश्चितताओं के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज, इटरनल और आईसीआईसीआई बैंक जैसे दिग्गज शेयरों में भारी गिरावट के चलते शेयर बाजार के बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी निचले स्तर पर बंद हुए। इसके अलावा, रुपये की कमजोरी और भारतीय शेयर बाजारों से विदेशी पूंजी का लगातार पलायन भी निवेशकों को चिंतित कर रहा है, व्यापारियों ने कहा। रुपया एक महीने में दूसरी बार 91 डॉलर के स्तर को पार कर गया, लेकिन अंत में डॉलर के मुकाबले 14 पैसे गिरकर 90.92 (अस्थायी) पर बंद हुआ।30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 324.17 अंक या 0.39 प्रतिशत गिरकर 83,246.18 अंक पर बंद हुआ। दिन के दौरान इसमें 672.04 अंक या 0.80 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 82,898.31 पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 108.85 अंक या 0.42 प्रतिशत गिरकर 25,585.50 पर बंद हुआ।सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से, आईसीआईसीआई बैंक, इटरनल, टाइटन, अदानी पोर्ट्स, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और अल्ट्राटेक सीमेंट भी पिछड़ने वालों में शामिल थे। हालांकि, इंटरग्लोब एविएशन, टेक महिंद्रा, हिंदुस्तान यूनिलीवर और बजाज फाइनेंस लाभ कमाने वालों में शामिल थे।रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में 3.04 प्रतिशत की गिरावट आई, क्योंकि कंपनी ने तीसरी तिमाही के लिए 18,645 करोड़ रुपये का सपाट शुद्ध लाभ दर्ज किया, क्योंकि गैस उत्पादन में गिरावट और खुदरा कारोबार में कमजोरी ने अन्य क्षेत्रों में हुए लाभ को बेअसर कर दिया।दिसंबर तिमाही में ICICI बैंक का समेकित लाभ 2.68 प्रतिशत घटकर 12,537.98 करोड़ रुपये रह गया, जिसके बाद बैंक के शेयरों में 2.26 प्रतिशत की गिरावट आई। यह गिरावट आरबीआई द्वारा अनिवार्य 1,283 करोड़ रुपये के प्रावधान के कारण हुई, जो कृषि ऋणों के लिए था जिन्हें गलती से प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम के रूप में वर्गीकृत किया गया था। देश के दूसरे सबसे बड़े ऋणदाता ने अकेले तौर पर अक्तूबर-दिसंबर के मुनाफे में 4 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की, जो कि 12,883 करोड़ रुपये रहा।एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक और शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक उच्च स्तर पर बंद हुए, जबकि जापान का निक्केई 225 सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक निचले स्तर पर बंद हुए। यूरोपीय बाजारों में काफी गिरावट देखी गई। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को मामूली गिरावट के साथ बंद हुए।जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा आठ यूरोपीय देशों के खिलाफ नए टैरिफ की घोषणा के बाद वैश्विक जोखिम लेने की प्रवृत्ति कमजोर हो गई है, जिससे अमेरिका-यूरोपीय संघ के बीच संभावित व्यापार विवाद की आशंकाएं फिर से बढ़ गई हैं। इस घटनाक्रम ने वैश्विक शेयर बाजारों में व्यापक रूप से जोखिम से बचने का माहौल पैदा कर दिया है, जिससे निवेशक सोने जैसे सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं।घरेलू बाजार में, विदेशी निवेशकों (एफआईआई) की निरंतर निकासी के बीच बाजार का रुख सतर्क बना हुआ है।

दक्षिणी स्पेन में दो हाई स्पीड ट्रेनों की टक्कर; 39 लोगों की मौत और 70 से अधिक घायल

मैड्रिड (स्पेन) (एजेन्सी)।दक्षिणी स्पेन में दो तेज रफ्तार ट्रेनों की आपस में भिड़ंत हो गई। जिसमें कम से कम 39 लोगों की मौत हो गई और 70 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। यह दुर्घटना कॉर्डोबा प्रांत के आदमूज के पास हुई, जिसके चलते मैड्रिड और अंडालूसिया के बीच रेल सेवाएं निलंबित कर दी गईं। जानकारी के मुताबिक मलागा से मैड्रिड जा रही एक ट्रेन पटरी से उतर गई और सामने से आ रही दूसरी ट्रेन से टकरा गई। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक दोनों ट्रेनों में लगभग 500 यात्री सवार थे।स्पेनिश रेल ऑपरेटर एडीआईएफ ने बताया कि रविवार को दक्षिणी स्पेन में एक तेज रफ्तार ट्रेन पटरी से उतर गई और विपरीत दिशा से आ रही ट्रेन से टकरा गई। आपातकालीन सेवाओं ने बताया कि इस टक्कर में 21 लोगों की मौत हो गई और 70 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हालांकि मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई गई है।

गार्डिया सिविल के दो अधिकारियों ने फोन और टेक्स्ट मैसेज के जरिए एसोसिएटेड प्रेस को मृतकों की संख्या की पुष्टि की। उन्होंने पुलिस नियमों के अनुसार नाम न छापने की शर्त पर बात की।एडीआईएफ के अनुसार मलागा और मैड्रिड के बीच चलने वाली शाम की ट्रेन पटरी से उतर गई और मैड्रिड से दक्षिणी स्पेन के एक अन्य शहर हुएलवा जा रही ट्रेन से टकरा गई। जिस प्रांत अंडालूसिया में यह दुर्घटना हुई, वहां की आपातकालीन सेवाओं ने बताया कि 21 लोगों की मौत हो गई है और 70 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सिविल गार्ड के मुताबिक कई लोग अभी भी डिब्बों के अंदर फंसे हुए हैं। बचाव अभियान जारी है और आपातकालीन सेवाएं घटनास्थल पर मौजूद हैं। इधर, हादसे के बाद मैड्रिड के अस्पतालों को भी अलर्ट पर रखा गया है। घायल यात्रियों को छह अलग-अलग अस्पतालों में ले जाया गया है।दुर्घटना के बाद मैड्रिड और अंडालूसिया के बीच चलने वाली हाई-स्पीड रेल सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा एहतियात के तौर पर रास्ते में चल रही सभी ट्रेनों को उनके शुरुआती बिंदु पर वापस भेज दिया गया है। रेड क्रॉस ने कॉर्डोबा से एम्बुलेंस और जैन से तीन और एम्बुलेंस भेजीं। इसने दोनों ट्रेनों के यात्रियों के लिए आवश्यक आपूर्ति की व्यवस्था भी की।

बांग्लादेश में बीएनपी ने लगाए आम चुनाव से पहले धांधली के आरोप

ढाका (एजेन्सी)।बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने 12 फरवरी को होने वाले आम चुनाव से पहले चुनाव आयोग 'पूर्ण निष्पक्षता' के साथ काम करने की अपील की है। सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस की रिपोर्ट के अनुसार बीएनपी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने रविवार शाम ढाका के आगारगांव स्थित चुनाव आयोग भवन में मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) एएमएम नासिर उद्दीन से मुलाकात के बाद यह बात कही। आलमगीर ने कहा कि बीएनपी ने हमेशा स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग के साथ सहयोग किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि हाल के दिनों में कुछ व्यवस्थाएं पक्षपातपूर्ण दिखाई दे रही हैं और आचरण को लेकर गंभीर चिंताएं हैं। उन्होंने कहा कि हमने आयोग से ऐसी प्रथाओं से बचने और पूरी निष्पक्षता के साथ कार्य करने का आग्रह किया है।बैठक के एजेंडे पर प्रकाश डालते हुए आलमगीर ने कहा कि डाक मतपत्र (पोस्टल बैलेट) से जुड़ा मुद्दा अब भी पूरी तरह सुलझा नहीं है। उन्होंने कहा कि विदेश में पंजीकृत मतदाताओं के लिए छापे गए मतपत्रों की प्रक्रिया सही नहीं है और इससे किसी विशेष राजनीतिक दल को लाभ पहुंचाने का प्रयास प्रतीत होता है। बीएनपी ने इन मतपत्रों में बदलाव की मांग की है।उन्होंने यह भी कहा कि देश के भीतर चुनावी ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों को चुनाव चिह्न आवंटन के बाद ही डाक मतपत्र दिए जाएं, ताकि वे भी अन्य मतदाताओं की तरह स्वतंत्र रूप से अपना निर्णय लेकर मतदान कर सकें। बीएनपी नेता ने यह भी दावा किया कि कई निर्वाचन क्षेत्रों में अधिकारियों की ओर से एक विशेष राजनीतिक दल के पक्ष में काम करने की शिकायतें मिली हैं।

मध्य अमेरिकी देश में गैंगवार से दहशत

ग्वाटेमाला (एजेन्सी)।मध्य अमेरिकी देश ग्वाटेमाला में गैंग हिंसा ने एक बार फिर सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है। राजधानी ग्वाटेमाला सिटी और आसपास के इलाकों में हुए समन्वित हमलों में 7 पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।यह हिंसा उस वक्त भड़की जब सुरक्षा बलों ने देश के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में स्थित रेनोवेशन अधिकतम सुरक्षा जेल पर दोबारा नियंत्रण हासिल किया। एक रात पहले ही कैदियों ने तीन हाई-सिक्योरिटी जेलों पर कब्जा कर 46 जेल प्रहरियों को बंधक बना लिया था। बढ़ते तनाव को देखते हुए शिक्षा मंत्रालय ने पूरे देश में सोमवार को स्कूल बंद रखने का फैसला लिया है। जेलों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और सैन्य गश्त भी तेज कर दी गई है।अधिकारियों के अनुसार, जेलों में बंद गैंग लीडर्स ने बाहर मौजूद अपने साथियों को जवाबी हमलों के आदेश दिए। इसी के चलते राजधानी में पुलिस को निशाना बनाया गया। गृह मंत्री मार्को एंटोनियो विलेदा ने बताया कि इन हमलों में 10 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं, जबकि एक गैंग सदस्य भी मारा गया। एंटी-रायट पुलिस ने एस्कुइंटला स्थित जेल में धावा बोलकर 9 बंधक प्रहरियों को सुरक्षित मुक्त करा लिया। इस दौरान भारी गोलीबारी हुई, लेकिन राहत की बात यह रही कि सभी प्रहरी सुरक्षित पाए गए। हालांकि, अब भी दो अन्य जेलों में 30 से अधिक गार्ड बंधक बने हुए हैं।

ऑस्ट्रेलिया के बाद अंडर-16 सोशल मीडिया बैन पर यूके सबसे आगे, यूरोप व अमेरिका में भी मंथन तेज

नई दिल्ली (एजेन्सी)।16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर रोक लगाने वाला ऑस्ट्रेलिया का कदम अब वैश्विक बहस का केंद्र बन गया है। इसी कड़ी में यूनाइटेड किंगडम (यूके) अगला देश माना जा रहा है, जहां इस सप्ताह संसद के हाउस ऑफ लॉर्ड्स में अंडर-16 सोशल मीडिया बैन पर अहम वोट हो सकता है।ऑस्ट्रेलिया सरकार का ऑनलाइन सेफ्टी अमेंडमेंट एक्ट 10 दिसंबर से लागू हो चुका है। इस कानून के तहत रेडिट, एक्स, मेटा के इंस्टाग्राम, यूट्यूब और टिकटॉक जैसे बड़े प्लेटफॉर्म शामिल हैं। नियमों के अनुसार कंपनियों को एज वेरिफिकेशन लागू करना होगा ताकि 16 साल से कम उम्र के बच्चे अकाउंट न बना सकें।यूके स्थित ग्रासरूट संगठन स्मार्टफोन फ्री चाइल्डहुड की सह-संस्थापक डेजी ग्रीनवेल ने कहा कि यह किसी एक देश की समस्या नहीं है। दुनिया भर की सरकारें बच्चों, अभिभावकों और समाज के लिए मौजूदा हालात को असफल मान रही हैं और सोशल मीडिया बैन को जरूरी माना है। ग्रीनवेल का कहना है कि जैसे-जैसे सबूत बढ़ेंगे और सरकारों का भरोसा मजबूत होगा, वैसे-वैसे और देश इस दिशा में आगे बढ़ेंगे।यूके के अलावा फ्रांस भी इस दौड़ में मजबूत दावेदार माना जा रहा है। वहां दो विधेयकों पर बहस चल रही है, जिनमें से एक को राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का समर्थन प्राप्त है। इन प्रस्तावों का उद्देश्य 15 साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखना है। संयुक्त राज्य अमेरिका में राष्ट्रीय स्तर पर इस तरह का बैन फिलहाल मुश्किल माना जा रहा है, लेकिन राज्य और स्थानीय स्तर पर रुचि बढ़ रही है। कैलिफोर्निया और टेक्सस में 2026 तक राज्य-स्तरीय प्रतिबंधों पर चर्चा चल रही है।ग्रीनवेल के अनुसार शोध लगातार दिखाता है कि जैसे-जैसे बच्चों का स्मार्टफ़ोन और सोशल मीडिया पर समय बढ़ता है, व्यापक तौर पर उनकी मानसिक सेहत प्रभावित होती है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक मोहम्मद जिया सिद्दीकी द्वारा कम्पटेंट बिजनेस सर्विसेज, 115 डी /2 ई, लूकरगंज, प्रयागराज से मुद्रित कराकर मीडिया हाउस, 341/32C/1, सदियापुर, प्रयागराज से प्रकाशित किया । RNI no. UPHIN/2008/24775, मोबाइल नंबर 9454973605, इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एंव संपादन हेतू पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी, समस्त विवाद केवल इलाहाबाद उच्च न्यायालय के अधीन ही निपटाए जाएंगे ।